2020 से 2022

Web Portal
www.ghatatighatana.com

सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ के लिए एक प्रकाशन...

घटती घटना

RNI REG.NO.-CHHHIN/2004/15050
डाक पंजीयन क्रमांक- 013/रायगढ़/2020-2022

अम्बिकापुर, वर्ष 18,अंक -353 सोमवार,31 अक्टूबर 2022, पृष्ठ -8 मूल्य 2 रूपये

ज्ञान की बातें

ज्ञान की बातें सुनकर जो उन पर अमल करता है,उसी के हृदय में ज्ञान की ज्योति प्रकट होती है।
- अबू उस्मान-

गुजरात के मोरबी में बड़ा हादसा,केबल पुल टूटने से कई लोग नदी में गिरे

अब तक 7 लोगों की मौत,पीएम मोदी ने ली हादसे की जानकारी

मोरबी, 30 अक्टूबर 2022। गुजरात के मोरबी में रविवार शाम को मच्छु नदी पर बना केबल पुल टूटने से एक बड़ा हादसा हो गया। इस घटना के दौरान पुल के ऊपर खड़े कई लोग नदी में गिर गए। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंच गईं और रेस्क्यू ऑपरेशन युद्ध स्तर पर शुरू कर दिया है। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें भी जल्द मौके पर पहुंच रही हैं। बताया जा रहा है कि हादसे के वक्त सैकड़ों की तादाद में लोग पुल पर मौजूद थे।

गुजरात के गृह मंत्री हर्ष सांघवी ने बताया कि अब तक करीब 70 लोगों को अस्पताल पहुंचाया जा चुका है, जिनमें से 7 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। रेस्क्यू टीमें लगातार लोगों को नदी से निकालकर अस्पताल भेज रही हैं। वहीं अन्य लोगों की तलाश भी जारी है। सभी लोगों को जल्द से जल्द नदी से बाहर निकालने की कोशिशें जारी हैं।

गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने हादसे पर दुख जताते हुए मृतकों के परिवार के लिए 4-4 लाख रुपये और घायलों को 50-50 रुपये देने का ऐलान किया है।

यह पुल करीब 100 साल पुराना बताया जा रहा है और कुछ दिन पहले ही इसकी मरम्मत कराई गई थी। मरम्मत के बाद 5 दिन पहले ही इसे आम जनता के लिए फिर से खोला गया था।

पीएम मोदी ने गुजरात के सीएम से की बात, मुआवजे का भी किया ऐलान

वहीं,प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री और अन्य अधिकारियों ने मोरबी में हुई दुर्घटना के संबंध में बात की है। उन्होंने बचाव अभियान के लिए टीमों को तत्काल जुटाने, स्थिति की बारीकी से और लगातार निगरानी करने और प्रभावित लोगों को हर संभव मदद देने को कहा है।

भाजपा ने रची आजम खान के खिलाफ साजिश : अखिलेश यादव

लखनऊ, 30 अक्टूबर 2022। वरिष्ठ नेता मो. आजम खान को विधानसभा में अयोग्य करार दिए जाने पर सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि आजम खान फिर कायराना ताकतों की खिलाफत की कीमत चुका रहे हैं। सपा प्रमुख ने एक बयान में कहा कि आजम खान ने रामपुर और आसपास के जिलों में युवाओं के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए काम किया है। सत्ता में आने के बाद से उनके जौहर विश्वविद्यालय को लगातार भाजपा द्वारा लक्षित किया गया है। मंत्री के रूप में, आजम खान ने सफलतापूर्वक कुंभ मेले का आयोजन किया और कार्यक्रम बाद में एक विषय बन गया। हार्वर्ड विश्वविद्यालय के अध्ययन के लिए जिसमें उनके प्रयासों की सराहना की गई। हार्वर्ड विश्वविद्यालय ने आजम खान को इस पर एक प्रस्तुति देने के लिए आमंत्रित किया था।

अखिलेश ने कहा कि, रामपुर और आसपास के क्षेत्रों के युवाओं के लिए उच्च शिक्षा के लिए एक उच्च श्रेणी के संस्थान मौलाना मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय की स्थापना में आजम की भूमिका ने भी भाजपा को चिंतित किया, जो केवल राज्य में शिक्षा प्रणाली को बाधित करने में रुचि रखता है। उन्होंने भाजपा पर जौहर विश्वविद्यालय को ध्वस्त करने के लिए सरकारी साधनों का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया। बीजेपी शैक्षणिक संस्थान को नष्ट करने के लिए दृढ़ है और इसलिए आजम खान पर झूठे मामले थोपे गए।

भाजपा ने आजम खान के खिलाफ एक साजिश रची है। उन्होंने आगे कहा कि आजम खान भारतीय संविधान की धर्मनिरपेक्ष साख को सुरक्षित करने के लिए विधानसभा, संसद के अंदर और बाहर सांप्रदायिक ताकतों का कड़ा विरोध और चुनौती देने का खामियाजा भुगत रहे हैं। ऐसा लगता है कि भाजपा हर संभव तरीके से उन्हें निशाना बनाने के लिए एक तेज गति में चली गई है।

पीएम मोदी ने छठ पूजा से शुरू की मन की बात, बोले-छठ मइया सबकी समृद्धि-सबके कल्याण

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर 2022। आज 94वीं बार मन की बात के जरिए देशवासियों को सम्बोधित किया। इस दौरान PM ने देशवासियों को छठ पर्व की बधाई दी। साथ ही, कहा कि यह त्योहार एक भारत श्रेष्ठ भारत का उदाहरण है।

पीएम मोदी ने कहा कि आज देश के कई हिस्सों में सूर्य उपासना का महापर्व छठ मनाया जा रहा है। छठ पर्व का हिस्सा बनने के लिए लाखों श्रद्धालु अपने गांव, अपने घर, अपने परिवार के बीच पहुंचे हैं। मेरी प्रार्थना है कि छठ मइया सबकी समृद्धि, सबके कल्याण का आशीर्वाद दें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि छठ का पर्व एक भारत-श्रेष्ठ भारत का भी उदाहरण है। आज बिहार और पूर्वांचल के लोग देश के जिस भी कोने में हैं, वहां धूमधाम से छठ का आयोजन हो रहा है। उन्होंने कहा कि पहले गुजरात में छठ पूजा नहीं होती थी, लेकिन समय के साथ आज करीब-करीब पूरे गुजरात में छठ पूजा के रंग नजर आने लगे हैं। यह देखकर मुझे भी बहुत खुशी होती है। आजकल हम देखते हैं कि विदेशों से भी छठ पूजा की कितनी भव्य तस्वीरें आती हैं। मन की बात के दौरान पीएम मोदी ने कहा कि सूर्य देव का वरदान है 'सौर ऊर्जा'। सोलर एनर्जी आज एक ऐसा विषय है, जिसमें पूरी दुनिया अपना भविष्य देख रही है और भारत के लिए तो सूर्य देव सदियों से उपासना ही नहीं जीवन पद्धति के भी केंद्र में रह रहे हैं।

राहुल गांधी ने बच्चों के साथ लगाई रेस,वीडियो हुआ वायरल

तेलंगाना, 30 अक्टूबर 2022। राहुल गांधी के भारत जोड़ो यात्रा के दौरान बहुत सरे वीडियोज वायरल हुए है। उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर काफी देखा जा रहा है। जिसमें वो बच्चों के साथ रेस लगाते हुए दिख रहे हैं। राहुल गांधी जब दौड़ते हैं तो उनके साथ कुछ बच्चे और उनका स्टाफ भी दौड़ने लगता है। बता दे की राहुल गाँधी भारत जोड़ो यात्रा के दैरान कभी वो सड़क किनारे बैठ कर लोगों से बात करने लगते हैं तो कभी सड़क किनारे खड़े होकर चाय की चुस्की लेने लगते हैं।

जानकारी के अनुसार कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा की अगुवाई कर रहे राहुल गांधी रविवार को पदयात्रा के दौरान अचानक कुछ स्कूली छात्रों के साथ दौड़ने लगे। राहुल के अचानक दौड़ने के कारण उनके सुरक्षा कर्मी, तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस समिति के अध्यक्ष रेवंत रेड्डी और अन्य लोगों ने भी दौड़ना शुरू कर दिया। कांग्रेस पार्टी के सूत्रों ने बताया कि राहुल ने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ रविवार सुबह जडचर्ला से पदयात्रा शुरू की और उनके 22 किलोमीटर का सफर तय करने की उम्मीद है।

तेलंगाना पहुंची है भारत जोड़ो यात्रा

राहुल गांधी बहुत से राज्यों में भारत जोड़ो यात्रा कर चुके है। आज तेलंगाना में कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा का पांचवां दिन है। राहुल रविवार की पदयात्रा संपन्न करने से पहले शाम को शादनगर के सोलीपुर जंक्शन में एक जनसभा को संबोधित करेंगे। यात्रा तेलंगाना के सात लोकसभा और 19 विधानसभा क्षेत्रों से गुजरते हुए कुल 375 किलोमीटर की दूरी तय करेगी, जिसके बाद यह सात नवंबर को महाराष्ट्र में प्रवेश करेगी। चार नवंबर को यात्रा एक दिन का विराम लेगी।

फायरिंग और बम से हमला, 1 की मौत,मचा हड़कंप

कोलकाता, 30 अक्टूबर 2022। पश्चिम बंगाल के बैरकपुर में शनिवार को फायरिंग और बम फेंकने की घटना में 35 वर्षीय शख्स की मौत हो गई, जबकि एक अन्य घायल हो गया. पुलिस सूत्रों ने बताया कि बैरकपुर के इंडस्ट्रियल एरिया में शनिवार की शाम फायरिंग की घटना में दो शख्स घायल हो गए. इन्हें नैहाटी के जेएनएम अस्पताल ले जाया गया, जहां रविवार की सुबह जाकिर हुसैन ने दम तोड़ दिया.

सूत्रों के मुताबिक, शनिवार की देर शाम बैरकपुर में कम से कम तीन राउंड फायरिंग हुई थी. साथ ही ये भी आरोप लगाया गया कि स्थानीय लोगों पर तीन बम फेंके गए. जाकिर हुसैन नाम के युवक को गोली मारी गई थी. उसके भाई बिन मोहम्मद मंडल की दुकान में कथित तौर पर तोड़फोड़ की गई. युसुफ नाम के एक अन्य युवक के भी हाथ में चोटें आई हैं. हिंसा के बाद जाकिर और यूसुफ दोनों को अस्पताल ले जाया गया.

बैरकपुर में हुई इस हत्या पर राजनीति शुरू हो गई है क्योंकि सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने दावा किया कि जाकिर उनकी पार्टी का कार्यकर्ता है. पुलिस इस हत्या के पीछे हर संभव एंगल से जांच कर रही है।

पर्यटकों के लिए 15 नवंबर से खुलेगा अमनगढ़ टाइगर रिजर्व

बिजनौर, 30 अक्टूबर 2022। अमनगढ़ टाइगर रिजर्व (एटीआर) पहली बार पर्यटकों के लिए 15 नवंबर से खोला जाएगा। अनुमंडल वन अधिकारी ज्ञान सिंह ने कहा, सरकार ने हमें 15 नवंबर से पर्यटन गतिविधि शुरू करने का निर्देश दिया था, जिसके लिए तैयारियां जोरों पर हैं।

रिजर्व 27 बाघों और सैकड़ों शाकाहारी जीवों का घर है।

अधिकारियों के मुताबिक एटीआर को पर्यटन स्थल बनाने के लिए 5 करोड़ रुपये का बजट रखा गया है।

मंदिर उड़ाने की फिराक में था 29 साल का इंजीनियर मुबीन,अपनी ही कार में मारा गया

चेन्नई/कोयंबटूर, 30 अक्टूबर 2022। तमिलनाडु के कोयंबटूर कार विस्फोट में मारे गए 29 साल के इंजीनियरिंग ग्रैजुएट के आत्मघाती हमलावर होने का शक है। मामले की जांच कर रही एनआईए ने आशंका जताई कि संदिग्ध हमलावर विस्फोटकों के इस्तेमाल में नौसिखिया रहा होगा जिसके चलते वह अपने मिशन में फेल हो गया और मंदिर को कोई नुकसान नहीं पहुंचा।

बता दें कि, 23 अक्टूबर को कोयंबटूर के कोट्टई ईश्वरन मंदिर के पास एक कार में सिलेंडर विस्फोट हुआ था। जमीशा मुबीन (29) की इस कार विस्फोट में मौत हो गई थी। कार जमीशा मुबीन ही चला रहा था। मुबीन के घर से पोटेशियम नाइट्रेट सहित 75 किलोग्राम विस्फोटक जब्त किया गया था। इस मामले में अब तक 6 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

जिहादी विचारधारा से जुड़ी नोटबुक बरामद

आरोपी मुबीन के घर से जिहादी सामग्री बरामद होने का जिक्र किया है। एनआईए को आरोपियों से बरामद हुई 109 चीजों में इस्लामिक और जिहादी विचारधारा से जुड़ी नोटबुक भी मिली हैं।

तमिलनाडु पुलिस ने पिछले हफ्ते मुबीन के घर से अन्य धर्मों के देवताओं के नाम के साथ एक फ्लोचार्ट, नागरिकता (संशोधन) अधिनियम पर एंट्री, कर्नाटक में हिजाब विवाद और मुसलमानों को द्वितीय श्रेणी के नागरिक समझने पर नोट्स बरामद किए।

साथ ही सीएए, हिजाब विवाद, भोजन पर रोक और गोमांस पर हत्या जैसी घटनाओं का उल्लेख भारतीय मुसलमानों द्वारा सामना की जाने वाली समस्याओं के रूप में किया गया था। आरोपी के घर से चार डायरियों में तमिल में हस्तलिखित नोट्स भी मिले हैं।

टीआरएस विधायकों की खरीद-फरोख्त का मामला, आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजा गया

हैदराबाद , 30 अक्टूबर 2022। तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) के चार विधायकों की कथित तौर पर खरीद-फरोख्त की कोशिश करने वाले तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है और हैदराबाद की एक स्थानीय अदालत ने उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। इससे पहले, तेलंगाना उच्च न्यायालय ने निचली अदालत के एक आदेश को रद्द करते हुए मामले के आरोपियों को पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया था। हैदराबाद की एक अदालत ने 27 अक्टूबर को तीनों आरोपियों को रिमांड पर भेजने का अनुरोध ठुकरा दिया था।

टीआरएस ने भाजपा पर लगाया था आरोप

साइबराबाद पुलिस ने टीआरएस के चार विधायकों को दल बदलने के लिए कथित तौर पर पैसों का लालच देने के आरोप में इन लोगों को गिरफ्तार किया था। निचली अदालत ने गिरफ्तारी से पहले नोटिस जारी करने की प्रक्रिया का पालन न करने के आधार पर यह फैसला दिया था। सरकार ने निचली अदालत के फैसले के खिलाफ उच्च न्यायालय में अपील की थी। टीआरएस ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर उसके कुछ विधायकों की खरीद-फरोख्त करने की कोशिश का आरोप लगाया था। इसके बाद भाजपा ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराने की मांग करते हुए उच्च न्यायालय में एक रिट याचिका दायर की थी।

भाजपा और टीआरएस के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर

भाजपा की याचिका पर उच्च न्यायालय के एक अन्य न्यायाधीश ने मामले की सुनवाई के लिए चार नवंबर की तारीख तय की और तब तक के लिए जांच स्थगित कर दी। गौरतलब है कि टीआरएस विधायक रोहित रेड्डी की शिकायत पर 26 अक्टूबर की रात को रामचंद्र भारती उर्फ सतीश शर्मा, नंद कुमार और सिम्हायजी स्वामी के खिलाफ भ्रष्टाचार निरोधक कानून-1988 के प्रावधानों के तहत मामले दर्ज किए गए थे। प्राथमिकी के अनुसार, रोहित रेड्डी ने आरोप लगाया कि आरोपियों ने उन्हें 100 करोड़ रुपये देने की पेशकश की थी,और इसके बदले में उन्हें टीआरएस छोड़नी थी और अगला विधानसभा चुनाव भाजपा प्रत्याशी के तौर पर लड़ना था। इस घटना के बाद भाजपा और टीआरएस के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया था।

पूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न
इंदिरा गांधी
19 नवंबर 1917 - 31 अक्टूबर 1984
शहादत दिवस, राष्ट्रीय संकल्प दिवस

पूर्व उप-प्रधानमंत्री एवं गृह मंत्री, भारत रत्न
सरदार वल्लभ भाई पटेल
31 अक्टूबर 1875 - 15 दिसंबर 1950
जन्मदिवस, राष्ट्रीय एकता दिवस

प्रेरक पथ पर

31 अक्टूबर का दिन, भारत के इतिहास में दो महान विभूतियों के व्यक्तित्व और कृतित्व का पावन स्मरण करते हुए अपनी कृतज्ञता व्यक्त करने का है। इस दिन सरदार वल्लभ भाई पटेल का जन्म दिवस है, जिन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और देश के प्रथम उप प्रधानमंत्री एवं गृह मंत्री बने। रियासतों के एकीकरण के माध्यम से भारत को एक सूत्र में बांधने सहित अनेक उपलब्धियां उन्होंने देश के लिए अर्जित कीं। वहीं श्रीमती इंदिरा गांधी ने बाल्यकाल से ही स्वतंत्रता संग्राम में हिस्सा लिया था। प्रधानमंत्री के रूप में उनके योगदान और शहादत को कभी भुलाया नहीं जा सकता। पाकिस्तान से युद्ध में विजय सहित भारत के आर्थिक, सामाजिक सशक्तीकरण और कमजोर तबकों के उत्थान के लिए अभूतपूर्व उपलब्धियों के लिए उन्हें हमेशा याद किया जाएगा। श्रीमती गांधी के शहादत दिवस एवं श्री पटेल के जन्म दिवस के अवसर पर दोनों महान विभूतियों को

शत्-शत् नमन!

- भूपेश बघेल मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

स्मृति प्रदर्शनी

इंदिरा गांधी जी और सरदार वल्लभ भाई पटेल जी के जीवन चरित पर आधारित प्रदर्शनी

31 अक्टूबर, 2022 | साइंस कॉलेज ऑडिटोरियम, रायपुर

संवाद 34429/59

Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

संपादकीय

पात्रा और लालपुरा क्या इस्तीफा देंगे?

आम आदमी पार्टी ने कई नेताओं के संवैधानिक या वैधानिक पदों पर रहने के बावजूद भाजपा के लिए काम करने का मुद्दा उठाया है। असल में पहले भाजपा ने यह मुद्दा उठाया कि जास्मिन शाह दिल्ली डायलॉग एंड डेवलपमेंट कमीशन यानी डीडीसी के उपाध्यक्ष हैं और साथ ही आम आदमी पार्टी के लिए भी काम करते हैं। इसके जवाब में आप ने संबित पात्रा और इकबाल सिंह लालपुरा का मुद्दा उठाया। ये दोनों वैधानिक पदों पर हैं और इसके बावजूद आधिकारिक रूप से भाजपा के लिए काम करते हैं। सो, सवाल है कि क्या भाजपा इनका इस्तीफा कराएगी? ये दोनों सरकारी पद छोड़ेंगे या पार्टी का पद?

आम आदमी पार्टी की ओर से कहा गया है कि जास्मिन शाम पार्टी में किसी भी आधिकारिक पद पर नहीं हैं। सो, उनके इस्तीफे का सवाल ही नहीं उठता है। दूसरी ओर संबित पात्रा इंडियन टूरिज्म डेवलपमेंट कमीशन यानी आईटीडीसी के चेयरमैन हैं और भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता हैं। वे हर टेलीविजन चैनल पर पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता की हैसियत से बैठते हैं और पार्टी के लिए प्रेस कांफ्रेंस भी करते हैं। भाजपा की वेबसाइट पर राष्ट्रीय प्रवक्ताओं की सूची में उनका नाम शामिल है। इसी तरह पूर्व आईपीएस अधिकारी इकबाल सिंह लालपुरा राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष हैं और पिछले दिनों उनको भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी का सदस्य बनाया गया। आईटीडीसी के चेयरमैन और अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष के पद पर राजनेताओं की नियुक्ति होती रही है लेकिन यह पद अराजनीतिक होता है। इन पदों पर रहते हुए कोई व्यक्ति राजनीतिक दल के लिए काम नहीं कर सकता है।

राष्ट्रीय एकता के हिमायती थे सरदार पटेल

रमेश सर्राफ धमोरा
झुंझुनू, राजस्थान

भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन को वैचारिक एवं क्रियात्मक रूप में एक नई दिशा देने के कारण सरदार पटेल ने राजनीतिक इतिहास में एक गौरवपूर्ण स्थान प्राप्त किया। उनके कठोर व्यक्तित्व में संगठन कुशलता, राजनीति सत्ता तथा राष्ट्रीय एकता के प्रति अटूट निष्ठा थी। जिस अदम्य उत्साह, असीम शक्ति से उन्होंने एकीकृत देश की प्रारम्भिक कठिनाइयों का समाधान किया। भारत की स्वतंत्रता संग्राम मे उनका महत्वपूर्ण योगदान था।

सरदार वल्लभ भाई पटेल का जन्म 31 अक्टूबर 1875 में गुजरात के नाडियाड में लेवा पट्टीदार जाति के एक जमींदार परिवार में हुआ था। वे अपने पिता झवेरभाई पटेल एवं माता लाड़बाई की चैथी संतान थे। सरदार पटेल ने करमसद में प्राथमिक विद्यालय और पेटलाद स्थित उच्च विद्यालय में शिक्षा प्राप्त की थी। लेकिन उन्होंने अधिकांश ज्ञान स्वाध्याय से ही अर्जित किया। 16 वर्ष की आयु में उनका विवाह हो गया। 22 साल की उम्र में उन्होंने मैट्रिक की परीक्षा पास की और जिला अधिवक्ता की परीक्षा में उत्तीर्ण हुए। जिससे उन्हें वकालत करने की अनुमति मिली।

सरदार पटेल के पांच भाई व एक बहन थी। 1908 में पटेल की पत्नी की मृत्यु हो गई। उस समय उनके एक पुत्र और एक पुत्री थी। इसके बाद उन्होंने विधुर जीवन व्यतीत किया। वकालत के पेशे में तरक्की करने के लिए कृतसंकल्प पटेल ने अध्ययन के लिए अगस्त 1910 में लंदन की यात्रा की।

गृहमंत्री के रूप में वे पहले व्यक्ति थे जिन्होंने भारतीय नागरिक सेवाओं (आई.सी.एस.) का भारतीयकरण कर इन्हें भारतीय प्रशासनिक सेवाएं (आई.ए.एस.) बनाया। अंग्रेजों की सेवा करने वालों में विश्वास भरकर उन्हें राजभक्ति से देशभक्ति की ओर मोड़ा। यदि सरदार पटेल कुछ वर्ष और जीवित रहते तो संभवतरू नौकरशाही का पूर्ण कायाकल्प हो जाता।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कुछ वर्ष पूर्व गुजरात के नर्मदा जिले में सरदार पटेल के स्मारक का उद्घाटन किया था। इसका नाम एकता की मूर्ति (स्टैच्यू ऑफ यूनिटी) रखा गया है। यह मूर्ति स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी से दुगनी ऊंचाई 182 मीटर ऊंची बनाई गयी है। इस प्रतिमा को केवडिया के निकट साधुबेट नामक एक छोटे चट्टानी द्वीप में सरदार सरोवर बांध के सामने नर्मदा नदी के मध्य में स्थापित किया गया है। सरदार वल्लभ भाई पटेल की यह प्रतिमा दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा है।

सरदार पटेल की इस प्रतिमा को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि उनका व्यक्तित्व कितना विशाल था। सरदार यानि नेतृत्व करने का गुण तो उनमें जन्मजात था ही, संघर्षों में तपकर उनका मनोबल लौहे की तरह दृढ़ हो गया था। अपनी इसी इच्छा शक्ति व दृढ़ मनोबल के दम पर उन्होने देश की आजादी के बाद एक भारत बनाने का ऐसा मुश्किल काम कर दिखाया जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। भारत के राजनीतिक इतिहास में सरदार पटेल के योगदान को कभी नहीं भुलाया जा सकता।

देश की आजादी के संघर्ष में उन्होने जितना योगदान दिया उससे ज्यादा योगदान उन्होने स्वतंत्र भारत को एक करने में दिया। पटेल राष्ट्रीय एकता के बेजोड़ शिल्पी व नये भारत के निर्माता थे। देश के विकास में सरदार वल्लभभाई पटेल के महत्व को सैदव याद रखा जायेगा।

सरदार पटेल को भारत का लौह पुरुष कहा जाता है। गृहमंत्री बनने के बाद भारतीय रियासतों के विलय की जिम्मेदारी उनको ही सौंपी गई थी। उन्होंने अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए छः सौ छोटी- बड़ी रियासतों का भारत में विलय कराया। देशी रियासतों का विलय स्वतंत्र भारत की पहली उपलब्धि थी और निर्विवाद रूप से पटेल का इसमें विशेष योगदान था। नीतिगत दृढ़ता के लिए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने उन्हें सरदार और लौह पुरुष की उपाधि दी थी। वल्लभ भाई पटेल ने आजाद भारत को एक विशाल राष्ट बनाने में उल्लेखनीय योगदान दिया।

स्वतंत्र भारत के पहले तीन वर्ष सरदार पटेल देश के प्रथम उप-प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, सूचना प्रसारण मंत्री रहे। पटेल ने भारतीय संघ में उन रियासतों का विलय किया जो स्वयं में सम्प्रभुता प्राप्त थीं। उनका अलग झंडा और अलग शासक था। सरदार पटेल ने आजादी के पूर्व ही देशी राज्यों को भारत में मिलाने के लिये कार्य आरम्भ कर दिया था। सरदार पटेल के प्रयास से 15 अगस्त 1947 तक हैदराबाद, कश्मीर और जूनागढ़ को छोडकर शेष भारतीय रियासतें भारत संघ में सम्मिलित हो चुकी थी।

जूनागढ़ के नवाब के विरुद्ध जब वहां की प्रजा ने विरोध कर दिया तो वह भागकर पाकिस्तान चला गया और इस प्रकार जूनागढ भी भारत में मिला लिया गया। जब हैदराबाद के निजाम ने भारत में विलय का प्रस्ताव अस्वीकार कर दिया तो सरदार पटेल ने वहां सेना भेजकर निजाम का आत्मसमर्पण करा लिया। निःसंदेह सरदार पटेल द्वारा 562 रियासतों का एकीकरण विश्व इतिहास का एक आश्चर्य था। भारत की यह रक्तहीन क्रांति थी।

लक्षद्वीप समूह को भारत में मिलाने में भी पटेल की महत्त्वपूर्ण भूमिका थी। इस क्षेत्र के लोग देश की मुख्यधारा से कटे हुए थे और उन्हें भारत की आजादी की जानकारी 15 अगस्त 1947 के कई दिनों बाद मिली। हालांकि यह क्षेत्र पाकिस्तान के नजदीक नहीं था लेकिन पटेल को लगता था कि इस पर पाकिस्तान दावा कर सकता है। इसलिए ऐसी किसी भी स्थिति को टालने के लिए पटेल ने लक्षद्वीप में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए भारतीय नौसेना का एक जहाज भेजा। इसके कुछ घंटे बाद ही पाकिस्तानी नौसेना के जहाज लक्षद्वीप के पास मंडराते देखे गए। लेकिन वहां भारत का झंडा लहराते देख उन्हें वापस लौटना पड़ा।

जब चीन के प्रधानमंत्री चाऊ एन लाई ने जवाहरलाल नेहरू को पत्र लिखा कि वे तिब्बत को चीन का अंग मान लें तो पटेल ने नेहरू से आग्रह किया कि वे तिब्बत पर चीन का प्रभुत्व कतई न स्वीकारें अन्यथा चीन भारत के लिए खतरनाक सिद्ध होगा। जवाहरलाल नेहरू नहीं माने बस इसी भूल के कारण हमें चीन से पिटना पड़ा और चीन ने हमारी सीमा की भूमि पर कब्जा कर लिया। सरदार पटेल के ऐतिहासिक कार्यों में सोमनाथ मंदिर का पुनर्निमाण, गांधी स्मारक निधि की स्थापना, कमला नेहरू अस्पताल की रूपरेखा आदि कार्य शामिल हैं। सरदार पटेल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष पद के तीन बार उम्मीदवार बने मगर तीनो ही बार महात्मा गांधी ने हस्तक्षेप कर पण्डित जवाहरलाल नेहरू को कांग्रेस का अध्यक्ष बनवा दिया था। 1930 में नमक सत्याग्रह के दौरान पटेल को तीन महीने की जेल हुई। मार्च 1931 में उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के करांची अधिवेशन की अध्यक्षता की। जनवरी 1932 में उन्हें फिर गिरफ्तार कर लिया गया। जुलाई 1934 में वह रिहा हुए और 1937 के चुनावों में उन्होंने कांग्रेस पार्टी के संगठन को व्यवस्थित किया।

अक्टूबर 1940 में कांग्रेस के अन्य नेताओं के साथ पटेल भी गिरफ्तार हुए और अगस्त 1941 में रिहा हुए। 1945-1946 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष पद के लिए सरदार पटेल प्रमुख उम्मीदवार थे। लेकिन महात्मा गांधी ने हस्तक्षेप करके जवाहरलाल नेहरू को अध्यक्ष बनवा दिया। कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में नेहरू को ब्रिटिश वाइसरॉय ने अंतरिम सरकार के गठन के लिए आमंत्रित किया। इस प्रकार यदि घटनाक्रम सामान्य रहता तो सरदार पटेल भारत के पहले प्रधानमंत्री होते।

सरदार पटेल का निधन 15 दिसम्बर 1950 को मुम्बई में हुआ था। सरदार पटेल को उनकी मृत्यु के 41 साल बाद 1991 में मरणोपरांत भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न दिया गया जो उन्हे बहुत पहले मिलना चाहिये था। वर्ष 2014 में केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयन्ती (31 अक्टूबर) को देश भर में राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाना शुरू कर उनको सम्मनित किया है।

मिट्टी के इस काया से मत कर प्यार इतना

प्रमेशदीप मानिकपुरी
धमतरी छत्तीसगढ़

मिट्टी के इस काया से
मत कर प्यार इतना
छोड़ के पड़ेगा जाना
इसे इतरा मत इतना
तेरा मेरा कुछ नहीं
सब कुछ माटी का ढेला
जग मे जीवन-मरण का
लगा है रेलम-पेला
छोड़ के पड़ेगा जाना
इसे इतरा मत इतना
मिट्टी के इस काया से
मत कर प्यार इतना
माना इसे संवारने मे
बीता दिया उम्र सारी
बेवकूफी मे गुजर रहा है
अब जीवन सारी
छोड़ दे इसका मोह,
समय बचा हैं कितना
मिट्टी के इस काया से
मत कर प्यार इतना
इसके सज-धज मे
समय कर रहा खोटी
समय मे बंदे क्या खायेगा
तू सुखी रोटी
धरम-करम कर ले
सांसे बाकी है जितना
मिट्टी के इस काया से
मत कर प्यार इतना
जो-जो आता है जग,
उसे जाना पड़ता है
भगवान भी आकर यहाँ,
कहाँ ठहरता है
लाग ना लगा जग से,
रहना तुझे है कितना
मिट्टी के इस काया से
मत कर प्यार इतना
मेरा-मेरा के चक्कर मे पीस रहे है लोग
जैसा कर्म किया
वैसे फल अब तू भोग
अहंकार मे मिट गये
सिकंदर थे जितना
मिट्टी के इस काया से
मत कर प्यार इतना

देश में होते बलात्कार की घटनाएं और बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का नारा

केशी गुप्ता
द्वारका
दिल्ली

एक बार फिर देश के त्रिपुरा राज्य के उनाकोटी डिस्टिक में 19 अक्टूबर को 16 वर्षीय नाबालिक लड़की के गैंगरेप में बीजेपी मिनिस्टर के बेटे को आरोपी ठहराया गया है। जो देश की आवाम के दिलों में नेताओं, उनके परिवार के आचरण को लेकर कई सवाल उठाता है। एक तरफ देशभर में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का नारा तथा नारी सशक्तिकरण को लेकर कहीं अभियान तथा कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। दूसरी तरफ देशभर के विभिन्न राज्यों से बलात्कार जैसे घिनौने अपराध के किस्से अखबारों की सुर्खियां बटोरे हुए होते हैं। सवाल यह उठता है की यदि जनता के प्रतिनिधि या उनके परिवार से संबंधित लोग स्वयं अपराधिक गतिविधियों का हिस्सा पाए जाएंगे तो जनता कानून और प्रशासन पर किस तरह से विश्वास कर पाएगी? क्या यही वजह है कि राजनीति को एक गंदा खेल कहा जाता है? क्या अधिकारिक पदों पर होने का मतलब ताकत का गलत इस्तेमाल करना है? आखिर क्या वजह है कि कानून और दंड का खौफ लोगों के दिलों से खत्म होता जा रहा है? क्या यह कानून और प्रशासन की असफलता नहीं? क्यों बलात्कार के अपराधियों को सख्त से सख्त सजा नहीं दी जाती? क्यों अपराधियों के समर्थन में पार्टी के सदस्य खड़े दिखाई देते हैं? क्या कानून आम आदमी और प्रतिनिधियों के लिए अलग अलग तरीके से काम करता है?

हिंदी के समाचार पत्र दैनिक भास्कर में छपी 25 अक्टूबर की एक तथाकथित रिपोर्ट के मुताबिक राजस्थान में 8 से 18 वर्ष की लड़कियों को आर्थिक लेनदेन और लोन संबंधित मामलों के फैसले के अंतर्गत स्टैंप पेपर द्वारा बेचा/खरीदा जाता है। जिसके खिलाफ नेशनल ह्यूमन राइट्स कमीशन ने राजस्थान गवर्मेंट को एक नोटिस जारी किया है। सवाल फिर वही उठता है कि क्या सही में प्रशासन ऐसी गतिविधियों से अनजान है? क्या सही में हम नारी सशक्तिकरण की ओर बढ़ रहे हैं? क्या समाज या कहें पुरुष प्रधान समाज नारी को सही मायने में सशक्त देखना चाहता है? क्या हम सही मायने में संकीर्ण विचारधारा को छोड़कर आधुनिक समाज का निर्माण कर पाए हैं? ऐसे बहुत से सवाल हैं जिन पर गहन अध्ययन करना बहुत जरूरी है। यह कहना गलत नहीं होगा कि जब तक राजनीति का स्तर ऊंचा नहीं उठेगा तब तक देश से कुरीतियों का खात्मा होना संभव नहीं। बलात्कार जैसे घिनौने अपराधों का खात्मा करने के लिए प्रशासन कानून को समाज से कुंठित परंपराओं/ विचारधारा को जड़ से उखाड़ना होगा

मौन

दीप्ति खुराना
मुरादाबाद
प.बंगाल

क्या सुनी है कभी??
मौन की बानी
इसकी भी है एक
पृथक कहानी।
जब समझदारी का प्रकाश
बिखर जाता है
मस्तिष्क की धरा पर।
जब धैर्य की बूँदे
भिगो देती हैं
हमारा अंतर्मन।
जब शब्द सीख लेते हैं
अपने अपव्यय का अवरोध
अपने महत्व का बोध।
जब देह जान जाती है
अभिव्यक्ति का उन्नयन
ऊर्जा का संचयन।
तब जन्म लेता है
एक विलक्षण गुण मौन!
मौन को सींचने से
अंकुरित होते हैं...
आत्मचिंतन,आत्मबोध,
आत्मदर्शन।
शब्दों के मके जाल से परे,
मौन की महिमा अपार है।
मौन ही तो सदाबहार है।

लौह पुरुष को शत् शत् नमन

पुष्पा स्वाती
मुम्बई

जो देखी जो न सुनी, ऐसी थी तकरीर।
लौह पुरुष की बस गई,मानस में तस्वीर।
वाणी भरी दहाड़ थी, दिल करुणा परिवेश।
मानस में थी एकता,मिटी समस्त लकीर।
आंखों में थी लालिमा, तूफानी था वेग,
मुफ़लिस के हमदर्द थे, दुश्मन के शमशीर।
सत्याग्रह विजयी हुये, कहलाए सरदार,
महिलाओं ने आगे बढ़के,माना उनको पीर।
यादों में सब के बसे, अब सरदार पटेल,
पन्नों पे इतिहास के चमके बनके तहरीर।
आज ढले मूरत में, बनके यूं धूप सुनहरी,
दुनियां देखे श्रद्धा से आंखों से भरके नीर।

बेलिबास रूह

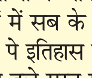

प्रियंका अग्निहोत्री गीत
वाराणसी उत्तरप्रदेश

मेरा जिस्म होगा जो तेरी आग़ोश में
कौन चाहेगा भला रहना फिर होश में
ख़ुदा ख़ैर करे उफ़! ये लर्ज़िशों के दौर
हर लम्हा बेलिबास रूह, तन पोश में
निगाहों से बयां जो ख़ुद-ब-ख़ुद ही हो
है ज़ाहिर वो चुनांचे लब-ए-ख़ामोश में
कोई सुन ले न अफ़साना, बयां यूँ कीजिये
क़रीब आ जाइये, फरमाइये गोश में
हैं हम वो ज़ेब-ए-गौहर बेशक़ीमती
न मिलने के किसी भी दिल-फ़रोश में

मयस्सर

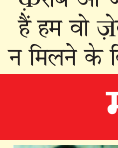

ओमप्रकाश बिन्जवे ÷ राजसागर
भोपाल,मध्यप्रदेश

कभी वक्त तो कभी जिंदगी मयस्सर नही।
हम है ऐसे नामुराद,कोई खुशी मयस्सर नही।
जितना तुम्हें चाहिए, मुझ से मेरा वक्त,
के उतना तो खुद मुझे भी मयस्सर नही।
हम ने उसे फ़कत तस्वीरों में ही देखा है,
जिंदा रहे धूप के साये में, चाँदनी मयस्सर नही।
जिस का जिक्र हो कभी, यारों की अंजुमन में
ऐसी रौनकें, ऐसी कोई खुशी मयस्सर नही।
जो सजाते रहे है कागजी फूलों से गुलदान,
उन झूठी आँखों को कोई हँसी मयस्सर नही।

प्यार

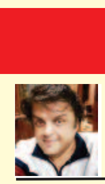

आशीष शर्मा अमृत
जयपुर, राजस्थान

प्यार त्योहार नहीं जिसे एक दिन पूजा जाए
प्यार तो इबादत है जिसे हर दिन जिया जाए
प्यार व्यापार नहीं जिसे किसी से तोला जाए
प्यार का वजन इतना कि उसे नापा ना जाये
प्यार है,खेल नहीं जो मनमर्जी से खेला जाए
प्यार जिम्मेदारी है,उसे दिल से निभाया जाए
प्यार अमानत नहीं,जो तिजोरी में रखा जाए
प्यार तो एक दरिया है जो बस बहता ही जाए
प्यार खुशबू नहीं जो कुछ पल ही महका जाए
प्यार है बहती पवन,ये छुए तो सुकून आ जाए
प्यार है ऐसा जो अल्फाजों में बयान न हो पाए
प्यार तो बिन कहे आंखों से दिल में उतर जाए।।

पहली महिला प्रधानमंत्री और आयरन लेडी-इंदिरा गांधी

लाल बिहारी लाल
लालबाग
नई दिल्ली

भारत की अर्थब्यवस्था को पंख लगाने के लिए 1969 में 14 बैंको का राष्ट्रीयकरण किया। इसी बीच भारत और पाकिस्तान के बीच 1971 की जंग पूरी दुनिया ने देखी और परिणाम सारी दुनिया जानता है कि एक अलग राष्ट बंगला देश का उदय हुआ। आंतरिक सुरक्षा के मामने में सोवियत संघ से 20 साल की संधि कर देश को विकास के राह पर ले गई और 1974 में भारत चीन और पाकिस्तान से सामरिक सुरक्षा के मद्दे नजर पोखरन में परमाणु परीक्षण कर यह जता दिया कि भारत भी किसी से कम नहीं है।

आयरन लेडी इंदिरा गांधी का जन्म देश के एक आर्थिक एंव बैध्दिक रुप से सभ्रांत परिवार में पं. जवाहर लाल नेहरु के घर में 19 नवंबर 1917 को इलाहाबाद के आनंद भवन में हुआ था। इनके माता का नाम कमला नेहरु तथा दादा का नाम पं. मोती लाल नेहरु था। इनके दादा एंव पिता दोनों वकालत करते थे।बचपन में इनके माता पिता का लार-दुलार ज्यादा नहीं मिला क्योंकि पिता भारतीय राजनीति में ब्यस्त थे वही माता अस्वस्थ्य रहती थी। इन्हें दादा से ज्यादा लार-दुलार मिला क्योंकि यह घर की इकलौती संतान थी। इनके दादा इन्हें लक्ष्मी एवं दूर्गा के प्रतीक मानते थे।

इंदिरा की प्रारंभिक शिक्षा आनंद निवास पर ही हुई ।इन्होंने सिर्फ अंग्रेजी में दक्षता हासिल की और अन्य विषयों पर ध्यान कम दिया। फिर शांति निकेतन उसके बाद उच्च शिक्षा हेतु इंगलैंड गई वैडमिंटन स्कूल तथा आक्सपोर्ड विश्वविद्याल में अध्यन किया फिर ये भारत आ गई ।उन्हें विश्व भर के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों द्वारा डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित किया गया था। प्रभावशाली शैक्षिक पृष्ठभूमि के कारण उन्हें कोलंबिया विश्वविद्यालय द्वारा विशेष योग्यता प्रमाण दिया गया।श्रीमती इंदिरा गांधी शुरू से ही स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय रहीं।बचपन में उन्होंने 'बाल चरखा संघ' की स्थापना की और असहयोग आंदोलन के दौरान कांग्रेस पार्टी की सहायता के लिए 1930 में बच्चों के सहयोग से 'वानर सेना' का निर्माण किया।

लंदन में अध्ययन के दौरान ही इनकी मुलाकात फिरोज गांधी से हुई थी।उन्होंने 26 मार्च 1942 को फ़िरोज़ गाँधी से विवाह किया। उनके दो पुत्र थे। स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय सहभागिता के लिए सितम्बर 1942 में उन्हें जेल में डाल दिया गया। 1947 में इन्होंने गाँधी जी के मार्गदर्शन में दिल्ली के दंगा प्रभावित क्षेत्रों में कार्य किया।1955 में श्रीमती इंदिरा गाँधी कांग्रेस कार्य समिति और केंद्रीय चुनाव समिति की सदस्य बनी।1958 में उन्हें कांग्रेस के केंद्रीय संसदीय बोर्ड के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया।वे एआईसीसी के राष्ट्रीय एकता परिषद की उपाध्यक्ष और 1956 में अखिल भारतीय युवा कांग्रेस और एआईसीसी महिला विभाग की अध्यक्ष बनीं।वे वर्ष 1959 से 1960 तक भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की अध्यक्ष भी रहीं। स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरु को उनके कामों में हाथ बटाने लगी। 1962 में चीन हमले के कारण नेहरु जी को शौक लगा और इसी के करण चिंताग्रस्त रहने लगे और अंततः 27 मई 964 को नेहरु जी का निधन हो गया। इसके बाद लाल बहादुर शास्त्री देश के प्रधानमंत्री बने और उन्हीं की प्रेरणा से चुनाव लड़ी और जीतने के बाद शास्त्री मंत्रीमंडल में सूचना एंव प्रसारण मंत्री बनी।इस समय रेडियों का जमाना था। इसने इसमें काफी परिवर्तन किया और इसे मनोरंजक बनाया तथा यही रेडियो भारतीयों में युद्द के दौरान राष्ट्रीयता का बीज रोपने में सहायक सिद्द हुआ।वह 1964-1966 तक सूचना और प्रसारण मंत्री रहीं। इंदिरा हरित क्रांति की अगुआ बनी और देश को खाद्यान उत्पादन के मामले में आत्मनिर्भर बनाई। पंचवर्षीय योजनाओं से गरीबी उन्मुलन पर बल दी। हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने के मुद्दे पर दक्षिण और गैर हिंदी राज्यों में दंगा छिड़ने पर चेनेई गई और स्थिति को शांत की। 1965 में भारत पाक युद्द के समय सेना द्वारा मना करने के वावयूद इंदिरा सेना का मनोबल बढ़ाने के लिए सीमावर्ती क्षेत्र श्रीनगर गई। सोवियत संघ के मध्यस्थता के बाद ताशकंद में भारत-पाक समझौता हुआ जिसमें भारत की ओर से तत्कालिन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री तथा पाकिस्तान की ओर से अयूब खान ने हस्ताक्षर किये। इस समझौते पर हस्ताक्षर के कुछ घंटे बाद ही शास्त्री जी का निधन हो गया।

शास्त्री जी के निधन के बाद तत्कालिन कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष के.कामराज ने इंदिरा को प्रधानमंत्री बनाने में अहम भूमिका निभाया। इस कदम से कांग्रेस में मोरार जी देसाई सहित कई नेता नराज हो गये। फिर इंदिरा ने सरकार के मुख्य पदों से कई को हटाकर अपने चहेतों को पदास्थापित किया। 1967 में चुनाव में मनमुताबिक सफलता नही मिली जिससें वो समाजवादी एवं सामयदलों के सहयोग से सरकार चलाई पर मोरार जी से मतभेद बढने के कारण 1969 में भारतीय कांग्रेस (आई) की स्थापना की।बतौर प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का पहला कार्यकाल 1966 से 1971 तक रहा। भारत की अर्थब्यवस्था को पंख लगाने के लिए 1969 में 14 बैंको का राष्ट्रीयकरण किया। इसी बीच भारत और पाकिस्तान के बीच 1971 की जंग पूरी दुनिया ने देखी।30 जनवरी, 1971 को आतंकवादी इंडियन एयरलाइंस के एक विमान को हाइजैक कर लाहौर ले गए और इसे तहस-नहस कर दिया था। उस वक्त इंदिरा गांधी ने भारत से होकर आने-जाने वाली पाकिस्तान की सभी फ्लाइट्स के उड़ान पर प्रतिवंध लगा दिया । इसका यह फायदा हुआ कि अक्टूबर-नवंबर में जब संकट चरम पर था तो पाकिस्तान अपनी सेनाएं पूर्वी बंगाल में पहुंचाने में नाकाम रहा। इंदिरा ने सेनाध्यक्ष से राय मशविरा की तो सेनाअध्यक्ष ने जंग में कुदने से मना कर दिया पर सेनाध्यक्ष को मनायी। अंततः सेनाअध्यक्ष मानेक शा मान गये पर कहा कि हमें आजादी चाहिये। इंदिरा ने हां कर दी और परिणाम सारी दुनिया जानता है कि एक अलग राष्ट बंगला देश का उदय हुआ।

फिर आंतरिक सुरक्षा के मामने में सोवियत संघ से 20 साल की संधि कर देश को विकास के राह पर ले गई और 1974 में भारत चीन और पाकिस्तान से सामरिक सुरक्षा के मद्दे नजर पोखरन में परमाणु परीक्षण कर यह जता दिया कि भारत भी किसी से कम नहीं है।जनवरी 1978 में उन्होंने फिर से कांग्रेस का अध्यक्ष पद ग्रहण किया।इंदिरा कड़े मिजाज की थीं और उनके फैसले में आक्रामकता की झलक दिखती थी। 1980 में पुनः प्रधानमंत्री बनी और फिर से 6 नीजि बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया। इंदिरा ने देशहित में कई महत्वपूर्ण फैसले लिए और इसी के करण इन्हें जन मानस मे लोग आयरन लेडी(लौह महिला) कहा जाने लगा। स्वर्ण मंदिर परिसर में सेना भेजकर आतंकवादियो का सफाया कर दिया जिससे सिख कौम नराज हो गया और अंत में इनके सिख कौंम केअंग रक्षक ही 31 अक्टूबर 1984 को गोली मार कर इनकी निर्मम हत्या कर दी। ऐसे महान महिला भारत में बहुत कम ही जन्म लेती है।

प्रभु मेरे भोले

कार्तिकेय कुमार त्रिपाठी राम
इन्दौर,
मध्यप्रदेश

हे नाथ प्रभु मेरे भोले,
तुम क्यूं मुझको यूं भूले,
मोह,माया सब दुनियादारी,
झूले में क्यूं झूले ।
हे नाथ प्रभु मेरे ....
जन्म लिया है इसी धरा पर,
जीवन की सुध ले लो ,
बरसों-बरस बीतते जाते,
थोड़ा भोले रंग में जी लो।
हे नाथ प्रभु मेरे ....
जीवन ने बस यही सिखाया ,
भर ले प्रेम के थेले ,
बांट दे खुशियां तू सबको ये,
छोड़ लेन - देन के फेरे ।
हे नाथ प्रभु मेरे ....
आज मिले यूं मुझको भोले,
फिर होले - होले बोले ,
मैं तो तकता रहता तुझको,
जहां - जहां तू डोले ।
हे नाथ प्रभु मेरे ....
भोले की बातें सुनकर फिर,
मन मेरा भरमाया ,
इत-उत छवि भोले की देखी,
मंद-मंद मुस्काया ।
हे नाथ प्रभु मेरे ....

छठ पूजा हमारी आस्था

कमलेश झा
भागलपुर
बिहार

जब विश्व की सबसे प्राचीन सभ्यता की स्त्रियां अपने सम्पूर्ण वैभव के साथ सज-धज कर अपने आँचल में फल और पकवान ले कर निकलती हैं तो लगता है जैसे संस्कृति स्वयं समय को चुनौती देती हुई कह रही हो, ÷देखो! तुम्हारे असँख्य झंझावातों को सहन करने के बाद भी हमारा वैभव कम नहीं हुआ है, हम सनातन हैं, हम भारत हैं हम आर्यावर्त के धरोहर हैं। हम तबसे हैं जबसे तुम हो, और जबतक तुम रहोगे तबतक हमारा अस्तित्व भी रहेगा।÷

जब घुटने भर जल में खड़ी व्रती की सिपुलि में बालक सूर्य की किरणें उतरती हैं तो लगता है जैसे स्वयं सूर्य भगवान बालक बन कर उसकी गोद में खेलने उतरे हों। स्त्री का सबसे भव्य, सबसे वैभवशाली स्वरूप मातृत्व का है। इस धरा को ÷भारत माता÷ कहने वाले बुजुर्ग के मन में स्त्री का यही स्वरूप रहा होता है। कभी ध्यान से देखिएगा छठ के दिन जल में खड़े हो कर सूर्य देव को अर्घ दे रही किसी स्त्री को, देखकर आपके मन में मोह नहीं श्रद्धा उपजेगी।

छठ वह प्राचीन पर्व है जिसमें राजा और रंक एक घाट पर शीश नवाते हैं, एक देवता को अर्घ देते हैं, और एक बराबर आशीर्वाद पाते हैं। धन और पद का लोभ मनुष्य को मनुष्य से दूर करता है, पर धर्म उन्हें साथ जोड़ता है।

अपने धर्म और परंपरा के साथ होने का सबसे बड़ा लाभ यह होता है कि आप अपने समस्त पुरखों के आशीर्वाद की छाया में होते हैं। छठ के दिन नाक से माथे तक सिंदूर लगा कर घाट पर बैठी स्त्री अपनी हजारों पीढ़ी की परंपरा की वाहक हीं नहीं होती है, बल्कि वह उन्ही का स्वरूप होती है। उसके आंचल में केवल फल नहीं होते, समूची प्रकृति समाई होती है। वह एक सामान्य स्त्री सी नहीं, अन्नपूर्णा सी देवी दिखाई देती है। ध्यान से देखिये! आपको उनमें कौशल्या दिखेंगी, उनमें सीता दिखेगी, उनमें अनुसुइया दिखेगी, सावित्री दिखेगी... उनमें पद्मावती दिखेगी, उनमें लक्ष्मीबाई दिखेगी, उनमें भारत माता को छवि दिखेगी। इसमें कोई संदेह नहीं कि उनके आँचल में बंध कर ही यह सभ्यता अगले हजारों वर्षों का सफर करने में समर्थ होगी ।

छठ डूबते सूर्य की आराधना का पर्व है। डूबता सूर्य इतिहास होता है, और कोई भी सभ्यता तभी दीर्घजीवी होती है जब वह अपने इतिहास को पूजे। अपने इतिहास के समस्त योद्धाओं को पूजे और इतिहास में अपने विरुद्ध हुए सारे सढयंत्रों याद रखे और उस गलती को न दुहराए। छठ उगते सूर्य की आराधना का पर्व है। उगता सूर्य भविष्य होता है, और किसी भी सभ्यता के यशश्वी होने के लिए आवश्यक है कि वह अपने भविष्य को पूजा जैसी श्रद्धा और निष्ठा से सँवारे... हमारी आज की पीढ़ी को सदैव इसका स्मरण रहे अगली जिम्मेदारी उनकी है ... यही छठ व्रत का मूल भाव है।

मैं खुश होता हूँ घाट जाती स्त्रियों को देख कर, मैं खुश होता हूँ उनके लिए राह बुहारते पुरुषों को देख कर, मैं खुश होता हूँ उत्साह से भरे बच्चों को देख कर... सच पूछिए तो यह मेरी खुशी नहीं, मेरी मिट्टी, मेरे देश, मेरी सभ्यता की खुशी है।

मेरे देश की माताओं! कल और परसों जब आदित्य देव आपकी बंश सूप में उतरें, तो उनसे कहिएगा कि इस देश, इस संस्कृति और समाज पर अपनी कृपा बनाये रखें, ताकि हजारों वर्ष बाद भी हमारी पुत्रवधुएँ यूँ ही सज-धज कर गंगा के जल में खड़ी हों और कहें- ÷उगह्य हो सुरुज देव.........

जय आदित्य देव
जय आस्था
जय सनातन जय सनातनी

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

छठ व्रतियों ने डूबते सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर की सुख समृद्धि की कामना

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 30 अक्टूबर 2022(घटती-घटना)।

लोक आस्था का महापर्व छठ के अवसर पर रविवार की शाम को व्रतियों ने डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया। छठ घाटों में इस दौरान मेले जैसा माहौल नजर आया। सड़कों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। कई श्रद्धालु अपने घर से दंडवत देते हुए छठ घाटों तक पहुंचे। इस दौरान परिवार के लोग भी शामिल थे। छठ घाट पर पहुंचने के बाद व्रतियों ने नदी तालाबों और जलाशयों में उतर कर स्नान किया। इसके बाद पानी में ही खड़े होकर श्रद्धालुओं ने दोनों हाथ से प्रसाद से भरे सूप से भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया। इस दौरान परिवार के लोगों ने लोटा में पानी और दूध से व्रतियों को अर्घ्य दिलाया। अर्घ्य अर्पित करने का सिलसिला सूर्यास्त होते तक चलता रहा। इस दौरान छठ घाटों पर छठ गीत उससे भक्ति भाव का माहौल रहा।

लोक आस्था का महापर्व छठ यूपी, बिहार, झारखंड के साथ-साथ पूरे देश में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। अंबिकापुर में भी छठ करने वालों की संख्या प्रतिवर्ष बढ़ती जा रही है। छठ व्रतियों की लगातार बढ़ रही संख्या को देखते हुए लगभग हर मोहल्लों में छठ घाट बनाए गए हैं। शहर के प्रमुख शंकर घाट स्थित छठ घाट में प्रतिवर्ष काफी संख्या में श्रद्धालु छठ करने पहुंचते हैं। यहां महामाया छठ पूजा सेवा समिति द्वारा पूरी तैयारी की गई थी। समिति द्वारा व्रतियों की सुविधा को देखते हुए टेंट पंडाल सहित अन्य सुविधाएं प्रदान की गई थी। इसी तरह शहर से लगे घुनघुट्टा नदी तट पर श्याम घुनघुट्टा छठ सेवा समिति द्वारा व्यापक तैयारी की गई थी।

3 बजे से ही छठ घाट के लिए निकलना हो गया था शुरू

अर्घ्य के लिए दोपहर करीब तीन बजे से ही सड़कों एवं गलियों में व्रतियों की भीड़ दिखने लगी। महिलाएं छठी मइया का गीत गाते व पुरुष सिर में सूपा व दउरा रख नंगे पांव घाट की ओर रवाना हुए। जैसे-जैसे शाम होती गई, व्रतियों की भीड़ बढ़ती गई। व्रतियों की सुविधा के लिए सड़कों से लेकर घाटों तक विशेष व्यवस्था की गई थी। व्रतियों को परेशानियों से बचाने के लिए सड़कों की साफ-सफाई में जुटे रहे। छठ घाट में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। श्रद्धालुओं ने डूबते भगवान सूर्यदेव को अर्घ्य दिया।

सुरक्षा की चाक-चौबंद व्यवस्था

छठ घाटों पर सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस मुस्तैद रही। सबसे ज्यादा भीड़ शंकरघाट में देखने को मिली। यहां पुलिस द्वारा काली मंदिर के पास मोटरसाइकिल की पार्किंग एवं संजय पार्क बैरियर से तकिया मोड़ तक चार पहिया वाहनों को रोक दिया।

सुबह से प्रसाद तैयार करने में लगीं रहीं महिलाएं

छठ व्रत को लेकर लोगों में विशेष उत्साह रहता है। लोग इसे लेकर 1 सप्ताह पूर्व से ही तैयारी शुरू कर देते हैं। घरों की साफ-सफाई से लेकर प्रसाद तैयार करने के लिए सामग्री की तैयारी करने में जुट जाते हैं। छठ के दिन जहां महिलाएं अपने घरों में प्रसाद ठेकुवां बनाने में जुटी रही। वहीं पुरुष पूरे दिन बाजार से सामग्री खरीदने में व्यस्त रहे।

बहंगी छठ मैया के जाए... गाकर डूबते सूर्य को दिया अर्घ्य

सुहागिनों ने वेदी बनाकर की पूजा

-संवाददाता-
रामानुजगंज 30अक्टूबर 2022(घटती घटना)।

छठ महापर्व का तीसरा दिन कन्हर नदी के घाटों पर उत्सव सा नजारा देखने को मिला शाम को लोग ढोल-नगाड़ों के साथ नाचते और गाते हुए घाटों पर पहुंचे। हजारों की संख्या में महिलाएं घाटों पर पूजा-अर्चना की। छठ व्रतियों ने बहंगी छठ मैया के जाए.गाकर अस्ताचलगामी यानी डूबते हुए सूरज को अर्घ्य दिया। छठ गीतों से माहौल में चार चांद लग गए। पूजा घाट पर पूर्व गृह मंत्री रामविचार नेताम एवं पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा नेताम अपने सहयोगियों के साथ पहुंचे और भर्तियों के बीच प्रसाद के रूप में फल का वितरण किया। तत्पश्चात उन्होंने शुक्ला के आगे मथुरा कहते हैं छठ मैया का आशीर्वाद ग्रहण किया। शनिवार शाम से 36 घंटे का निर्जला व्रत और छठ की मुख्य पूजा शुरू हुई थी। शनिवार की रात खरना का प्रसाद खाने के बाद से व्रती निर्जला उपवास कर रही हैं। शाम को बांस की टोकरी में फल, ठेकुआ,चावल के लड्डू आदि से अर्घ्य का सूप सजा कर व्रती अपने परिवार के साथ सूर्य को

अर्घ्य दी। इसके बाद चौथे और आखिरी दिन उगते हुए सूर्य को दूसरा अर्घ्य दिया जाएगा और अर्घ्य देने के बाद व्रत का पारण किया जाएगा।

फिजा में महक रही थी ठेकुआ की खूशुब

छठी मइया को ठेकुआ का प्रसाद चढ़ाया जाता है। ऐसे में शुक्रवार की सुबह से मिट्टी के चूल्हे और आम की लकड़ी जलाकर व्रतियों द्वारा घर-घर में ठेकुआ का प्रसाद बनाया गया। देसी घी में ठेकुआ बनाने के चलते शहर में ठेकुआ की खुशबू गमक रही थी।

पुलिस और अफसर रहे मुस्तैद

जिले के कलेक्टर विजय दयाराम के.एवं पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग के निर्देश के बाद स्थानीय पुलिस और प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट रही। व्यस्ततम मार्गों पर चप्पे-चप्पे पर पुलिस तैनात थी और आवागमन की व्यवस्था को सुदृढ़ करने में सहयोगी साबित हुए। एसडीएम गौतम सिंह,एसडीओपी एन.के.सूर्यवंशी, सीएमओ दीपक एक्का सहित संबंधित विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ ही शहर तथा घाटों की सुरक्षा व विधि व्यवस्था का निरीक्षण कर जायजा लेते रहे। वही अ स्थाई रूप से पुलिस सहायता केंद्र में भटके एवं बिछड़े हुए लोगों को मिलाने का कार्य देर रात्रि तक जारी रही।

समर्थन मूल्य पर धान बेचने किसान अब घर बैठे ऑनलाईन कटा सकेंगे टोकन

किसानों की सहूलियत के लिए एन्ड्रॉयड एप 'टोकन तुंहर हाथ' तैयार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 30 अक्टूबर 2022(घटती-घटना)।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल पर समर्थन मूल्य पर धान बेचने वाले किसानों को अब धान बेचने के लिए घर बैठे ऑनलाइन टोकन प्राप्त करने की सुविधा मिलेगी। मुख्यमंत्री के निर्देश पर पंजीकृत किसान को धान विक्रय हेतु टोकन जारी करने की प्रक्रिया के सरलीकरण एवं सुव्यवस्थित प्रबंधन के उद्देश्य से एन.आई.सी. द्वारा एन्ड्रॉयड एप ''टोकन तुंहर हाथ'' विकसित किया गया है। इस एप्प को किसान एंड्रॉयड मोबाइल के प्ले स्टोर से डाउनलोड कर सकते हैं।

''टोकन तुंहर हाथ'' एप की सहायता से प्रत्येक पंजीकृत किसान संबंधित उपार्जन केन्द्र में स्वयं निर्धारित तिथि में धान विक्रय हेतु टोकन प्राप्त कर सकेंगे। इस एप के जरिए किसान को समिति द्वारा दर्ज किसान की जानकारी, पंजीकृत रकबा, बैंक खाता, टोकन एवं धान खरीदी आदि की सभी नवीन जानकारियां प्राप्त होंगी। साथ ही एप के उपयोग से पंजीकृत किसानों द्वारा संबंधित समिति अथवा उपार्जन केन्द्रों में आगामी सात दिनों तक टोकन प्राप्त किया जा सकता है। बताया गया है

कि एप के जरिए संबंधित समिति अथवा उपार्जन केन्द्र में हर दिन की खरीदी क्षमता के 30 प्रतिशत की सीमा तक ऑनलाइन टोकन प्राप्त किया जा सकेगा। उक्त सीमा में भी सीमांत, लघु और दीर्घ किसानों को उनकी पंजीकृत संख्या के अनुपात में टोकन हेतु समान अवसर उपलब्ध होगा। संबंधित समिति व उपार्जन केन्द्र में शेष 70 प्रतिशत खरीदी क्षमता की मात्रा ऑफलाइन टोकन हेतु उपलब्ध रहेगी ताकि ऐसे किसान जो एप के माध्यम से टोकन प्राप्त करने में असुविधा महसूस करते हैं, उन्हें पूर्व की भांति समिति मॉड्यूल से टोकन प्राप्त हो सके।

ज्ञातव्य है कि एप के जरिए टोकन जारी करने की व्यवस्था पूर्व वर्षों में समिति मॉड्यूल से टोकन जारी करने की व्यवस्था के अतिरिक्त की जा रही है। इस तरह किसानों को ऑनलाइन एवं ऑफलाईन दोनों माध्यमों से टोकन प्राप्त हो सकेगा। इस एप के उपयोग से समिति या उपार्जन केन्द्रों में टोकन प्राप्त करने हेतु किसानों की भीड़ में कमी आएगी। किसानों को घर बैठे धान बेचने के लिए टोकन मिल सकेगा। उन्हें समिति या उपार्जन केन्द्रों में जाने की जरूरत नहीं होगी।

कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार के मार्गदर्शन में जिले में 1 नवम्बर से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की तैयारी चेक लिस्ट अनुसार पूरी कर ली गई है। सभी उपार्जन केन्द्रों में ट्रॉयल रन पूरा हो चुका है। इस वर्ष अनुमानित 2 लाख 20 हजार मीट्रिक टन धान जिले 39 समितियों के 46 उपार्जन केन्द्रों के जरिए आगामी एक नवम्बर से समर्थन मूल्य पर खरीदी की जाएगी। सभी उपार्जन केन्द्रों में नए तथा पुराने बारदाने पर्याप्त मात्रा में पहुंचाए जा चुके हैं। इस बार 2356 नए किसानों ने पंजीयन हेतु आवेदन दिए है। पंजीयन 31 अक्टूबर तक होगी। इस वर्ष भी केन्द्रों से उपार्जित धान को मिलर्स सीधे उठाएंगे।

विकास खंड स्तरीय टी एल एम मेला संपन्न

जिला मिशन समन्वयक रवि शंकर तिवारी, सहायक जिला मिशन समन्वयक दिनेश शर्मा एवं करुणेश श्रीवास्तव के आतिथ्य में विकास खंड स्तरीय टी एल एम मेला का आयोजन स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गांधीनगर के प्रांगण में संपन्न हुआ

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 30 अक्टूबर 2022(घटती-घटना)।

विकास खंड के 49 संकुलो से चयनित एफ एल एन- टी एल एम को स्टॉल लगाकर शिक्षकों ने प्रदर्शित किया।

स्टाल निरीक्षण सभी अतिथियों द्वारा किया गया तथा सभी स्टालों का मूल्यांकन डाइट अंबिकापुर के व्याख्याता पूनम सिंह एवं विशालक्षी मिश्रा ने किया। शिक्षकों द्वारा हिंदी एवं गणित विषय के आधारभूत साक्षरता एवं संख्या ज्ञान को ध्यान में रखकर शिक्षण सहायक सामग्री का निर्माण अधिक से अधिक कबाड़ से जुगाड़ बनाकर किया गया।

विकास खंड स्रोत केंद्र समन्वयक संजीव कुमार भारती ने कार्यक्रम के संबंध में अपने उद्बोधन में सभी शिक्षकों के प्रयास का सराहना किया।

विकासखंड में उक्त प्रतियोगिता के आयोजित होने से पूर्व सभी संकुलो में टी एल एम मेला का आयोजन किया गया था जिसमें प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले टी एल एम को आज विकासखंड स्तरीय मेला में शामिल किया गया है आज के प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले टी एल एम का प्रदर्शनी जिला स्तर के कार्यक्रम में करने का

अवसर मिलेगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला परियोजना समन्वयक रवि शंकर तिवारी ने कहां की सभी शिक्षकों का प्रयास सराहनीय है सभी अपने विद्यालयों में अधिक से अधिक शिक्षण सहायक सामग्री का उपयोग करें जिससे बच्चों को सीखने और सिखाने में सहयोग मिल सके, जिले में प्राथमिक स्तर के शैक्षणिक गतिविधियों में सभी शिक्षकों का भागीदारी अच्छी हो तथा आगामी असर के सर्वे में हमारे जिले का रेटिंग सुखद रहे। इन्हीं शुभकामनाओं के साथ प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले शिक्षक को बधाई दिए तत्पश्चात संकुल खैरवार के प्राथमिक शाला कन्या खैरवार की शिक्षिका प्रिस्का कुजूर एवं नीरा यादव द्वारा निर्मित सहायक सामग्री को प्रथम स्थान, संकुल केशवपुर के प्राथमिक शाला हर्राटिकरा के शिक्षिका शोभा श्रीवास्तव एवं एलिजाबेथ को द्वितीय स्थान तथा संकुल खलीबा के प्राथमिक शाला खलीबा की शिक्षिका रेखा राय को तृतीय स्थान का शिल्ड एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। अतिथियों द्वारा कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी शिक्षकों को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम का समापन सहायक विकास खंड शिक्षा अधिकारी बी डी सिंह द्वारा सभी अतिथियों का आभार व्यक्त कर किया गया। कार्यक्रम का मंच संचालन दिनेश शुक्ला, कार्यक्रम प्रभारी निरंजन विश्वास एवं विकासखंड के सभी संकुल समन्वयको का सराहनीय सहयोग रहा।

सिकल सेल प्रबंधन केंद्र का मुख्यमंत्री ने ऑनलाइन किया उद्घाटन

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 30 अक्टूबर 2022(घटती-घटना)।

अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल सहित पूरे प्रदेश में सिकल सेल प्रबंधन यूनिट का शुभारंभ रविवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन छत्तीसगढ़ के सिकल सेल केन्द्र प्रभारी उषा जोशी द्वारा किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सिकल सेल की जांच अब 5 मिनट के अंदर ही हो जाएगा। इसके साथ विभिन्न जिलों के सिकल सेल पीड़ित मरीजों से भी बात कर जानकारी ली। साथ यह भी कहा कि इस अनुवांशिक बीमारी के बारे में लोगों को काउंसलिंग भी किया जाए, ताकि लोग इसके बारे में जान सकें और इसका ईलाज करा सकें। स्वास्थ्य सचिव आर प्रसन्ना द्वारा इस बीमारी के बारे में अकड़ा बताते हुए भविष्य में इसके सुविधाओं को और भी विस्तार करने को कहा। उन्होंने बताया कि अभी सिकल सेल प्रबंधन यूनिट राज्य के 28 जिलों में शुरुवात की जा रही है। इसके लिए डॉक्टर, टेक्नीशियन व काउंसलर की प्रशिक्षण भी पूरी करा दी गई है। बाकी बचे हुए जिलों में भी इसकी शुरूवात जल्द ही कर दी जाएगी। कार्यक्रम में अंबिकापुर से मुख्य अतिथि जिला सरगुजा सीईओ विश्वदीप यादव, मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. रमनेश मूर्ति, अस्पताल अधीक्षक डॉ. लखन सिंह, मुख्य चिकित्सा एव स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.पूनम सिसोदिया, सिविल सर्जन डॉ.आरएन गुप्ता, ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. विकास पांडेय, डॉ. राजेश श्रीवास्तव सहित अन्य अस्पताल के चिकित्सक एव स्टाफ मौजूद थे।

अनुवांशिक बीमारी की कराई जाएगी पढ़ाई

प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव ने सिकल सेल के बारे में जानकारी दी एवं आंकड़े को बताते हुए इसके जांच व ईलाज के बारे में भी चर्चा की। उन्होंने यह भी बताया कि सरगुजा जिले के नवापारा स्थित स्वास्थ्य केंद्र में पायलेट प्रोजेक्ट के रूप सबसे पहले इसकी शुरुवात की गई थी। लेकिन अब यह छतीसगढ़ के 28 जिलों में भी आज इसकी शुरुवात की जा रही। जिससे अब इसका जांच व ईलाज लोगों को बहुत ही आसानी से उपलब्ध होगा और भविष्य में इसके लिए अलग से सिकल सेल प्रबन्धन केन्द्र का हर जिलों में सुविधा उपलब्ध कराया जाएगा। ताकि प्रदेश को जिस तरह मलेरिया मुक्त किया गया है उसी तरह से सिकल सेल से भी मुक्त किया जा सके। इन्होंने यह भी कहा कि इसकी पढ़ाई व प्रचार स्कूल व कॉलेजों में कराया जाएगा ताकि बच्चे इस अनुवांशिक बीमारी के बारे में पहले से ही जान सकें।

लोन देने वाले चीनी ऐप्स के खिलाफ MHA सख्त, राज्यों-केंद्र शासित प्रदेशों को कार्रवाई का दिया निर्देश

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर 2022। चीनी उधार देने वाले ऐप्स के खिलाफ केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कड़ा रुख अपनाया है। इस बाबत केंद्रीय गृह मंत्रालय ने उधार देने वाले ऐप्स के खिलाफ कानून प्रवर्तन एजेंसियों से तत्काल सख्त कार्रवाई करने को भी कहा है। साथ ही ऐसे चीनी ऐप्स के खिलाफ कार्रवाई के लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को पत्र भी लिखा है। दरअसल, हाल के दिनों में चीन-नियंत्रित संस्थाओं द्वारा उत्पीड़न, ब्लैकमेल और कठोर वसूली के कारण आत्महत्या की कई घटनाएं सामने आई हैं। इनको देखते हुए केंद्र ने यह कदम उठाया है।

अवैध डिजिटल ऋण देने वाले ऐप्स के खिलाफ कार्रवाई को लेकर गृह मंत्रालय द्वारा सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को भेजे पत्र में कहा गया है कि इस मुद्दे ने राष्ट्रीय सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और नागरिक सुरक्षा पर गंभीर प्रभाव डाला है। पत्र में गृह मंत्रालय ने कहा है कि भारत भर में अवैध डिजिटल ऋण देने वाले ऐप्स से संबंधित बड़ी संख्या में शिकायतें मिली हैं। ये चीनी एप विशेष रूप से कमजोर और निम्न-आय वर्ग के लोगों के लिए प्रसंस्करण या छिपे हुए शुल्क के साथ अत्यधिक ब्याज दरों पर अल्पकालिक ऋण या माइक्रो-क्रेडिट प्रदान करते हैं। इसमें आगे कहा गया है कि ऋणदाता ब्लैकमेल और उत्पीड़न के लिए उधारकर्ताओं के गोपनीय व्यक्तिगत डेटा जैसे संपर्क, स्थान, फोटो और वीडियो का उपयोग करते हैं। इन सब कारणों के कारण कई लोगों ने आत्महत्या भी कर ली है। मंत्रालय ने यह भी कहा है कि ये ऐप भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा विनियमित संस्था (आरई) नहीं हो सकते हैं।

गृह मंत्रालय ने कहा कि ये अवैध उधार देने वाले ऐप बड़े पैमाने पर थोक एसएमएस, डिजिटल विज्ञापन, चैट मैसेंजर और मोबाइल ऐप स्टोर का उपयोग कर रहे हैं। ऋण लेने के लिए ग्राहकों को एड्रेस, मोबाइल डेटा में अनिवार्य पहुंच आदि की स्वीकार्यता और जानकारी देनी होती है।

राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को बताया गया कि भारत में स्थित रिकवरी एजेंटों के साथ-साथ विदेशों में आरबीआई के फेयर प्रैक्टिस कोड का उल्लंघन करते हुए मॉर्फ की गई फोटो और अन्य डेटा का उपयोग करके नागरिकों को परेशान करने और ब्लैकमेल करने के लिए किया जाता है। गृह मंत्रालय ने कहा कि जांच के बाद यह पाया गया है कि यह एक संगठित साइबर अपराध है। इसलिए, जांच के दौरान डोमेन विशेषज्ञों को शामिल करने की सलाह दी जाती है।

गृह मंत्रालय ने इस मुद्दे पर सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से सख्त कानूनी कार्रवाई करने की अपील की है। इसके अलावा, सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से यह भी कहा है कि वे सभी जिलों में इस तरह के ऐप का उपयोग करने के जोखिमों के खिलाफ जन जागरूकता फैलाएं।

सरकारी योजनाओं की मदद से झींगा उत्पादन में हाथ आजमा रहीं हरियाणा की महिलाएं

हरियाणा , 30 अक्टूबर 2022। हरियाणा राज्य की महिलाएं उन सरकारी योजनाओं की मदद से झींगा उत्पादन कर रही हैं जिनमें गैर-परंपरागत या वैकल्पिक खेती को बढ़ावा दिया जाता है। सिरसा जिले की वीरपाल कौर ने 2016-17 में सफेद झींगे की खेती 2.5 एकड़ भूमि में शुरू की थी। अब पूरा परिवार यही काम करने लगा है और यह परियोजना 50 एकड़ क्षेत्र में फैल गई है। कौर ने बताया, ''खारा पानी कृषि के लिए बहुत खराब माना जाता है लेकिन झींगा उत्पादन के लिए तो यह अमृत समान है।''

अकेले सिरसा जिले में ही कई किसान झींगा उत्पादन कर रहे हैं, इसकी खेती करीब 5,000 एकड़ में होती है। इस व्यवसाय में अनेक महिलाएं आ गई हैं। हाल में एक सरकारी बयान में कहा गया था, ''प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) की लाभांवित वीरपाल कौर की तरह उसी गांव की छह अन्य महिलाओं ने भी सफेद झींगे के उत्पादन का काम शुरू कर दिया है।'' पीएमएमएसवाई के तहत अनुसूचित जाति की महिलाओं को 60 प्रतिशत सब्सिडी जबकि सामान्य वर्ग की महिलाओं को 40 प्रतिशत सब्सिडी दी जाती है।

कौर के पति ने बताया सफेद झींगा लेने के लिए ओडिशा, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल और कुछ अन्य राज्यों के खरीदार उनके यहां आते हैं। इसका अमेरिका, कनाडा, रूस और अन्य देशों में निर्यात भी होता है। राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत हरियाणा में सफेद झींगे की खेती 2014-15 में शुरू हुई थी। 2021-22 के दौरान 1,250 एकड़ क्षेत्र में 2,900 टन झींगे का रिकॉर्ड उत्पादन हुआ था।

दुनिया के अमीरों में तीसरे नंबर पर गौतम अडानी

नई दिल्ली , 30 अक्टूबर 2022। दुनिया के टॉप-10 अरबपतियों की सूची में भारतीय दिग्गज गौतम अडानी का दबदबा कायम है। अडानी एक बार फिर से लंबी छलांग लगाते हुए दुनिया के तीसरे सबसे अमीर व्यक्ति बन गए हैं। फोर्ब्स के रियल टाइम बिलेनियर्स इंडेक्स में अडानी की नेटवर्थ 131.3 अरब डॉलर आंकी गई है। नेटवर्थ के मामले में उन्होंने जेफ बेजोस को पीछे छोड़ दिया है। बेजोस की नेटवर्थ 126.9 अरब डॉलर है।

मस्क की जगह बरकरार

दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क की जगह बरकरार है। फोर्ब्स की सूची में वह 223.8 अरब डॉलर नेटवर्थ के साथ पहले नंबर पर हैं। वहीं फ्रांस के अरबपति बर्नार्ड अर्नाल्ड दूसरे नंबर पर हैं, उनकी नेटवर्थ 156.5 अरब डॉलर है। इसके अलावा पांचवे नंबर पर 104.5 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ वॉरेन बफे, 102.9 अरब डॉलर के साथ छठे नंबर पर बिल गेट्स, 102.5 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ लैरी एलिसन सातवें नंबर पर हैं।

अंबानी आठवें नंबर पर

दुनिया के टॉप टेन अरबपतियों में दो भारतीय हैं। इस सूची में तीसरे नंबर पर गौतम अडानी के अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी आठवें नंबर पर काबिज हैं। उनकी नेटवर्थ 89.2 अरब डॉलर है।

रिलायंस कैपिटल के बोलीकर्ता निविदा में नया प्रावधान लाए जाने से चिंतित

नयी दिल्ली, 30 अक्टूबर 2022। कर्ज में डूबी कंपनी रिलायंस कैपिटल लिमिटेड (आरसीएल) की समाधान प्रक्रिया के अंतिम चरण में पहुंचने के साथ ही बोलीकर्ताओं ने 'चुनौती व्यवस्था' लाए जाने समेत निविदा प्रक्रिया से जुड़े कई बिंदुओं पर चिंताएं जताई हैं। सूत्रों के मुताबिक, ऋणदाताओं की समिति (सीओसी) की तरफ से बोली प्रक्रिया में एक नया खंड 'चुनौती व्यवस्था' लाए जाने के फैसले ने बोलीदाताओं को परेशान कर दिया है। इस व्यवस्था के तहत कर्जदाताओं को किसी भी समाधान योजना का मनचाहे ढंग से विरोध करने की अधिकार दिया गया है।

सूत्रों ने कहा कि बोलीदाता निविदा प्रक्रिया के अंतिम चरण में आकर इस नए खंड को लाए जाने पर चिंतित हैं। उनका मानना है कि 'समाधान योजना के लिए अनुरोध' (आरएफआरपी) के दस्तावेज में इस व्यवस्था का कोई उल्लेख नहीं किया गया था। आरसीएल ने सभी बोलीदाताओं को दो विकल्प दिए थे। पहले विकल्प के तहत कंपनियां रिलायंस कैपिटल लिमिटेड (आरसीएल) और उसकी आठ अनुषंगी कंपनियां या क्लस्टर के लिए समेकित रूप से बोली लगा सकती हैं। वहीं दूसरे विकल्प के तहत आरसीएल की अपनी अनुषंगी कंपनियों के लिए अलग से बोली लगाने की छूट दी गई थी।

आरसीएल के मातहत आठ कारोबार संचालित किए जाते रहे हैं जिनमें सामान्य बीमा, जीवन बीमा, स्वास्थ्य बीमा, प्रतिभूति व्यवसाय और परिसंपत्ति पुनर्निर्माण शामिल हैं। लेकिन बोली प्रक्रिया के अंतिम चरण में आकर चुनौती व्यवस्था का प्रावधान करने से नाराज हिंदुजा, ओकट्री और टॉरेंट जैसे बोलीदाताओं ने गंभीर सवाल उठाए हैं। इसके अलावा ऋणदाताओं की तरफ से इस नए खंड की रूपरेखा को अभी तक परिभाषित नहीं किए जाने से भी बोलीदाताओं के बीच भ्रम की स्थिति बनी है। दूसरी तरफ रिलायंस जनरल इंश्योरेंस कंपनी (आरजीआईसी) के लिए बोली लगाने वाली कंपनियों ने इसके शेयरों को लेकर चिंता जताई है। सूत्रों के मुताबिक, आरजीआईसी के शेयर कर्जदाताओं के कब्जे में न होकर फिलहाल आईडीबीआई ट्रस्टीशिप सर्विसेज (आईटीएसएल) के पास हैं।

अक्टूबर की शुरुआत में राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने आरसीएल की समाधान प्रक्रिया की समयसीमा को तीसरी बार बढ़ाते हुए 31 जनवरी, 2023 तक कर दिया। पहले यह समयसीमा एक नवंबर को ही खत्म होने वाली थी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 29 नवंबर, 2021 को कर्ज भुगतान में चूक और कंपनी परिचालन से जुड़े गंभीर मुद्दों को देखते हुए आरसीएल के निदेशक मंडल को बर्खास्त कर दिया था। इसके साथ ही दिवाला प्रक्रिया के संचालन के लिए वाई नागेश्वर राव को कंपनी का प्रशासक नियुक्त किया गया था।

बच्चों के संपूर्ण विकास के लिए कराएं ये योगासन,तनाव-चिंता जैसे जोखिमों से भी मिलेगी सुरक्षा

योगासनों के नियमित अभ्यास की आदत सभी उम्र के लोगों के लिए लाभकारी मानी जाती है। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, दिनचर्या में योग को शामिल करना आपको कई प्रकार के स्वास्थ्य लाभ दे सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, सभी माता-पिता को अपने बच्चों को योग की आदत जरूर बनवानी चाहिए, इससे बच्चे के मानसिक और शारीरिक दोनों प्रकार की सेहत को लाभ मिलता है। योग के अभ्यास से याददाश्त और सीखने की क्षमता को बढ़ाने, दिमाग को तेज करने और कई प्रकार के मानसिक विकारों के जोखिम को कम करने में भी मदद मिल सकती है।

बच्चों के विकास की आयु में योगासनों की आदत बनाना काफी बेहतर विकल्प हो सकता है। कुछ प्रकार के योग न सिर्फ दिमाग को विकसित करने में सहायक माने जाते हैं साथ ही इसकी आदत भविष्य में कई प्रकार के मनोरोगों के विकसित होने के जोखिम को भी कम कर देती है।

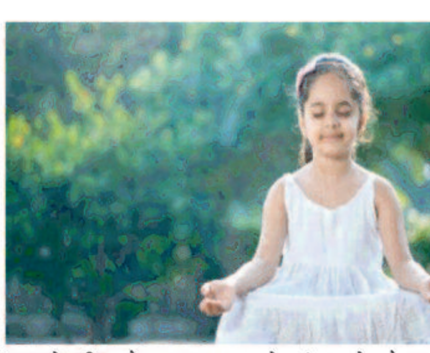

पद्मासन योग की बनाएं आदत

बच्चों के लिए पद्मासन योग की आदत काफी लाभकारी मानी जाती है। पद्मासन मन को शांत करने और तंत्रिकाओं को स्वस्थ रखने का कारगर योगाभ्यास हो सकता है। बच्चों के संपूर्ण विकास के लिए इस योग के नियमित अभ्यास की आदत विशेष लाभकारी मानी जाती है। पद्मासन योग शरीर की मुद्रा में सुधार करने के साथ शरीर में चक्रों को जागृत करने और तंत्रिकाओं को स्वस्थ रखने में सहायक अभ्यास है। मानसिक स्वास्थ्य विकारों के जोखिम को कम करने के लिए सभी उम्र के लोगों में इस योग के लाभ देखे गए हैं।

पश्चिमोत्तानासन योग के लाभ

पश्चिमोत्तानासन योग का अभ्यास बच्चों के शारीरिक और मानसिक दोनों प्रकार के विकास के लिए लाभकारी माना जाता है। अवसाद और तनाव जैसे मनोविकारों को कम करने और सिर में रक्त के संचार को बढ़ावा देने में इस योग से फायदे हो सकते हैं। यह योग शरीर की बेहतर स्ट्रेचिंग करने और मांसपेशियों की कठोरता को कम करने में आपके लिए लाभकारी हो सकता है। बच्चों में मोटापे की बढ़ती समस्या के जोखिम को कम करने में इस योग के लाभ देखे गए हैं।

हलासन से मिलता है फायदा

हलासन योग मेटाबॉलिज्म को नियंत्रित करने के साथ मस्तिष्क में रक्त के संचार को ठीक रखने में सबसे प्रभावी योगासन माना जाता है। ऐसे में बढ़ते बच्चों के लिए इस योग के विशेष लाभ हो सकते हैं। तनाव को कम करते हुए मस्तिष्क को शांत रखने में हलासन योग के अभ्यास से लाभ मिल सकता है। बच्चों के लिए शारीरिक सक्रियता पर काफी जोर दिया जाता रहा है, ऐसे में हलासन योग बेहतर विकल्प माना जाता है। कंधों से लेकर पैरों तक की स्ट्रेचिंग के लिए इस योग को दिनचर्या का हिस्सा बनाया जा सकता है।

इन खाद्य सामग्रियों के इस्तेमाल से ला सकती हैं चेहरे पर निखार

महिलाएँ और युवतियाँ स्वयं को सुन्दर और अपने चेहरे को बेदाग रखने के लिए कई तरह की क्रीम का इस्तेमाल करती हैं। वक्ती तौर पर तो इन क्रीम से चेहरे पर थोड़ा निखार जरूर आ जाता है लेकिन यह स्थायी नहीं होता है। यदि आप अपने चेहरे पर स्थायी निखार पाना चाहती हैं तो एक नजर अपने घर की रसोई पर जरूर डाल लें। रसोई घर में मौजूद कई घरेलू चीजें चेहरे पर निखार लाने में मददगार साबित हो सकती हैं। वैसे भी सदियों से घरेलू उपचार के जरिए कई तरह की त्वचा संबंधी समस्याओं को ठीक किया जाता रहा है। हो सकता है प्राकृतिक चीजों का इस्तेमाल असर दिखाने में थोड़ा वक्त ले लेकिन इनसे कोई साइड इफेक्ट नहीं होता है। आइए डालते हैं एक नजर रसोई में उपलब्ध ऐसी ही कुछ चीजों पर–

आलू और टमाटर

आंखों के नीचे के काले घेरे हटाने में आलू और टमाटर खास मददगार होते हैं। वहीं इनके नियमित इस्तेमाल से चोट के दाग-धब्बे भी हल्के पडने लगते हैं।

बेकिंग सोडा

अगर आप दाग-धब्बों को एक हफ्ते के अंदर हटाना चाहते हैं तो एक चम्मच बेकिंग सोडा में तीन चम्मच पानी मिलाइए। इस मिश्रण को दाग पर लगाएं और कुछ मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद गुनगुने पानी से धो लें।

खीरा

खीरा न सिर्फ आपकी त्वचा से दाग हल्के करता है बल्कि आपके चेहरे के निखार को भी बढ़ा देता है।

शहद

दाग हटाने के लिए शहद का इस्तेमाल पुराने समय से होता आ रहा है। शहद, ओटमील और पानी को एक साथ मिलाकर इसका पैक बना लें और इसे चोट के धब्बों पर लगाएं।

एलोवेरा

दाग-धब्बों को दूर करने के लिए एलोवेरा जेल जादू की तरह काम करता है। रात को इस जेल को लगा कर सोएं और सुबह चेहरा धो लें। परिणाम जल्द ही दिखने लगेंगे।

प्याज

प्याज को टुकड़ों में काटकर इसका जूस निकाल लें। रुई की मदद से इस जूस को दागों पर लगाएं। दिन में आप इस प्रक्रिया को कई बार दोहरा सकते हैं। कुछ समय में अच्छे परिणाम दिखेंगे।

सेहत के लिए फायेदमंद के साथ नुकसानदायक है पनीर, सीमित मात्रा में लें

पनीर ऐसी खाद्य सामग्री है जिसने आम तौर पर बहुतायत में खाया जाता है। विशेष रूप से शादी पार्टियों में पनीर की विभिन्न प्रकार की सब्जियाँ बनाई जाती हैं जिन्हें बड़े चाव के साथ लोग खाते हैं। पनीर की सब्जियों के साथ-साथ आजकल पनीर टिक्का, पनीर पकौड़े भी खासे प्रचलन में हैं। बाजार में कई ऐसे आउटलेट्स देखने को मिल जाते हैं जहाँ शाम के वक्त लोगों की भीड़ इन खाद्य पदार्थों को खाती नजर आती है।

पनीर के सेवन से सेहत को कई फायदे होते हैं। पनीर में बहुतायत में प्रोटीन पाया जाता है, लेकिन क्या आप जानते हैं, इसके जितने फायदे हैं उतने नुकसान भी हैं, जी हां, यदि पनीर का सेवन ज्यादा मात्रा में किया जाए तो इससे सेहत को नुकसान भी हो सकता है। आज का हमारा लेख इसी विषय पर है.

पनीर के सेवन के नुकसान

1. जिन लोगों को हाई ब्लड प्रेशर की समस्या है वे पनीर के सेवन से परहेज करें, वरना इससे समस्या और बढ़ सकती है।

2. जिन लोगों को पेट की समस्या है या जो लोग कब्ज, एसिडिटी आदि की समस्या से परेशान हैं वे डाइजेस्टिव सिस्टम को सुरक्षित रखने के लिए अपनी डाइट में पनीर को बिलकुल शामिल न करें। पनीर को लेकर कहा जाता है कि यह पेट में गलने में तीन दिन का समय लेता है। इसके सेवन से कब्ज, एसिडिटी की परेशानियाँ बढ़ जाती हैं।

3. जिन लोगों को फूड पॉइजिनंग की समस्या है वे भी पनीर का सेवन करने से बचें क्योंकि इसमें भरपूर मात्रा में प्रोटीन होता है ऐसे में इससे समस्या और बढ़ सकती है।

4. यदि पनीर का अधिक मात्रा में सेवन किया जाए तो इससे मितली, सिरदर्द, भूख में कमी आदि की समस्या हो सकती है।

5. अधिक पनीर के सेवन से सिर दर्द और माइग्रेन की समस्या हो सकते हैं।

6. गर्भवती महिलाओं को पनीर का सेवन नहीं करना चाहिए। यह पेट में गैस की समस्या पैदा करता है। गर्भवती महिलाओं को डॉक्टर की सलाह पर ही पनीर का सेवन करना चाहिए।

आलेख में दी गई जानकारियों को लेकर हम यह दावा नहीं करते कि यह पूर्णतया सत्य एवं सटीक हैं। इन्हें अपनाने से पहले संबंधित क्षेत्र के विशेषज्ञ की सलाह जरूर लें।

रोजाना के खाने में मिलाएं नारियल तेल,सेहत को मिलेंगे गजब के फायदे

बालों की ग्रोथ को बूस्ट करने के साथ ही नारियल तेल स्किन के लिए भी फायदेमंद होता है। दादी-नानी अक्सर इस तेल के फायदों को गिनवाती हैं। लेकिन क्या आप जानती हैं कि ये हेल्थ के लिए भी काफी ज्यादा फायदेमंद होता है। फंक्शनल न्यूट्रिशनल थेरेपी प्रैक्टिशनर मेग लैंगस्टन ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में रोजाना नारियल तेल खाने के फायदे बताए हैं।

नारियल तेल खाने के फायदे

1) **हीलिंग के लिए फायदेमंद-** दूसरे सैट्यूरेटिड फैट्स के विपरीत, नारियल का तेल एक हेल्दी संतृप्त फैट है जो शरीर में हीलिंग को स्पोर्ट करता है। नारियल के तेल में 80त्न से ज्यादा संतृप्त वसा होता है।

2) **फैट बर्निंग को बढ़ावा-** इसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं। यह अविश्वसनीय रूप से फायदेमंद हो सकता है क्योंकि शरीर में सूजन को कम करने से थायराइड / मेटाबॉलिज्म को स्लो करने में मददगार हो सकता है। यह अपने एंटीमाइक्रोबियल और एंटीऑक्सीडेंट गुणों के कारण वजन कम करने में मदद कर सकता है।

3) **ब्लड शुगर में सुधार करता है-** नारियल का तेल ग्लूकोज सहिष्णुता में सुधार करने में मदद करते हैं। इसका कारण यह है कि एमसीटी बिना पित्त ब्रेक के पाचन तंत्र से सीधे लिवर में जाते हैं। ऐसे में ये दूसरी तरह के फैट की तरह शरीर में जमा होने के बजाय एनर्जी के लिए इस्तेमाल किए जाते हैं।

4) **संक्रमण से लड़ने में मदद-** नारियल के तेल में लॉरिक एसिड होता है और शरीर लॉरिक एसिड को मोनोलॉरिन में बदल देता है, जिसमें एक एंटीमाइक्रोबियल गुण होता है और यह बैक्टीरिया से लड़ने में बहुत अच्छा होता है।

5) **कोलेस्ट्रॉल होता है कम-** नारियल के तेल को रोजाना खाने से प्रेग्नेनोलोन और प्रोजेस्टेरोन में इसके रूपांतरण को बढ़ावा देकर कोलेस्ट्रॉल को सामान्य स्तर पर लाया जा सकता है।

CMYK

आम जन के बेहतर आवागमन सुनिश्चित करने जिले में सड़कों के संधारण का काम तेजी से जारी

पूर्व में पीडब्ल्यूडी, पीएमजीएसवाय और आरईएस की बैठक कर समयसीमा में संधारण और नवीनीकरण कार्य करने के दिए थे सख्त निर्देश

-संवाददाता-
बैकुण्ठपुर 30 अक्टूबर 2022 (घटती-घटना)।
आमजन के आवागमन को सुलभ बनाना शासन की प्राथमिकता है। ग्रामीण क्षेत्र हो या शहर, सर्वांगीण विकास की परिकल्पना को साकार करने में सड़कों का प्रमुख योगदान है। पक्के रास्तों के सहारे इन क्षेत्रों तक बुनियादी आवश्यकताओं के पहुँचने से जिले में सुविधाओं का विस्तार होगा। वनांचलों से घिरे कोरिया जिले में सड़कें आमजनों के लिए केवल पहुँच मार्ग ही नहीं बल्कि बेहतर भविष्य का रास्ता भी तैयार करने का माध्यम है।

इसी कड़ी में कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह ने बीते दिनों पीडब्ल्यूडी, पीएमजीएसवाय और आरईएस की बैठक लेकर समयसीमा में सड़कों के आवश्यक संधारण और नवीनीकरण के कार्य किए जाने के सख्त निर्देश दिए थे। निर्देशों के परिपालन में इन सभी विभागों द्वारा कार्यप्रगति में तेजी लाते हुए कार्य किया जा रहा है।

कलेक्टर स्वयं प्रतिदिन फोटो सहित रिपोर्ट लेकर कर रहे हैं समीक्षा

कलेक्टर श्री लंगेह स्वयं जिले में चल रहे सड़कों के संधारण कार्य की प्रगति की प्रतिदिन समीक्षा करते हैं। विभागों को प्रतिदिन कार्य प्रगति की रिपोर्ट फोटो सहित साझा करने के निर्देश पूर्व में ही कलेक्टर द्वारा दिए गए हैं। विभागों द्वारा मिली रिपोर्ट के अनुसार पीएमजीएसवाय द्वारा सोनहत में लटमा से रावतसरई तक 10 किमी बीटी नवीनीकरण का काम पूर्ण किया जा चुका है। इसी तरह मंझराटोला से पत्थरगवां तक बीटी नवीनीकरण का कार्य तेजी से किया जा रहा है। जिसे जल्द ही पूर्ण कर लिया जाएगा। पीडब्ल्यूडी द्वारा बैकुंठपुर अंतर्गत चोटिया-बरदर-बैकुंठपुर-सोनहत-रामगढ़ सड़क पर बीटी नवीनीकरण, शंकरपुर-भंडारपारा सड़क पर ग्रानुलर सब बेस कार्य, खरवत-जमनीपारा नाली निर्माण कार्य और विक्रमपुर-कर्री सड़क पर जीएसबी कार्य प्रगति पर है। सड़कों के संधारण कार्य के साथ ही कलेक्टर द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न निर्माण कार्यों की प्रगति की भी मॉनिटरिंग की जा रही है। आरईएस विभाग द्वारा सोनहत के बेलाई में उपस्वास्थ्य केंद्र का निर्माण कार्य पूर्णता पर है। इसी तरह सोनहत के ही तंजरा में सीसी रोड निर्माण में मटेरियल कलेक्शन कार्य प्रगति पर है। कलेक्टर श्री लंगेह ने सभी योजनाओं के अंतर्गत प्रगतिरत नवीनीकरण एवं संधारण कार्यों को शीघ्रता से और गुणवत्तापूर्ण किए जाने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री ने वर्चुअल रूप से जिला चिकित्सालय में सिकलसेल प्रबंधन केन्द्र का किया उद्घाटन

» केन्द्र में निःशुल्क जांच,उपचार,दवाई एवं परामर्श की सुविधा होगी उपलब्ध,सिकलसेल मरीजों को मिलेगी बड़ी राहत
» कार्यक्रम में संसदीय सचिव श्रीमती अम्बिका सिंहदेव सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं कलेक्टर रहे उपस्थित

-संवाददाता-
बैकुण्ठपुर 30 अक्टूबर 2022 (घटती-घटना)।
मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने आज राजधानी रायपुर स्थित अपने निवास कार्यालय से वर्चुअल कार्यक्रम के माध्यम से प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों और जिला अस्पतालों में स्थापित नवीन सिकल सेल प्रबंधन केंद्रों का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के 28 जिलों में सिकलसेल प्रबंधन केन्द्र का उद्घाटन किया। स्वास्थ्य मंत्री श्री टी.एस.सिंहदेव भी इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने कोरिया जिले के जिला मुख्यालय बैकुण्ठपुर स्थित जिला चिकित्सालय में भी पैथोलॉजी विभाग में सिकल सेल प्रबन्धन केंद्र का उदघाटन किया। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि छत्तीसगढ़ में जल्द ही राष्ट्रीय स्तर के सिकलसेल रिसर्च सेंटर की स्थापना की जाएगी। उन्होंने कहा कि सिकलसेल की समस्या का प्रभावी रूप से मुकाबला करने के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा नवीन सिकल सेल प्रबंधन केंद्र की स्थापना की जा रही है। यह केंद्र प्रदेश के समस्त मेडिकल कॉलेज अस्पतालों एवं सभी जिला चिकित्सालयों में संचालित किए जाएंगे। इन केन्द्रों में सिकलसेल की जांच एवं उपचार के साथ अस्पताल की प्रयोगशाला के माध्यम से साल्युबिटी टेस्ट द्वारा स्क्रीनिंग एवं इलेक्ट्रोफोरेसिस तथा नवीन विधि पॉइंट ऑफ केयर टेस्ट द्वारा पुष्टि हेतु जांच उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि सिकलसेल जांच की नवीन विधि पॉइंट ऑफ केयर टेस्ट काफी आसान है। मितानिनें भी इस विधि से जांच कर सकती है। इस पद्धति से अभियान चलाकर सिकलसेल मरीजों की पहचान की जा सकती है।

स्वास्थ्य मंत्री श्री टी.एस.सिंहदेव ने कहा कि सिकलसेल के मरीजों को बेहतर उपचार की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल दृढ़ इच्छा शक्ति के साथ कार्य कर रहे हैं। राष्ट्रीय स्तर के रिसर्च सेंटर की स्थापना के लिए प्रयास किए जा रहे है। इसका जल्द ही शिलान्यास होगा। उन्होंने कहा कि सिकलसेल प्रबंधन केन्द्रों में निःशुल्क जांच, उपचार और परामर्श सुविधा से पीड़ितों को बड़ी राहत मिलेगी। स्थानीय कार्यक्रम में संसदीय सचिव एवं बैकुंठपुर विधायक श्रीमती अम्बिका सिंहदेव, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रेणुका सिंह, उपाध्यक्ष श्री वेदान्ती तिवारी, कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह सहित जनप्रतिनिधि तथा जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

कोरबा जिले के वरिष्ठ भाजपा नेताओं ने महतारी हुंकार रैली के तैयारी की दृष्टि से की बैठक

-संवाददाता-
कोरबा,30 अक्टूबर 2022 (घटती-घटना)।
छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा महिला मोर्चा के तत्वाधान में आगामी 11 नवंबर को बिलासपुर में आयोजित होने वाली महतारी हुंकार रैली के तैयारी की दृष्टि से कोरबा जिले के वरिष्ठ नेताओं की बैठक आयोजित हुई। वही दीनदयाल कुंज टीपी नगर स्थित जिला भाजपा कार्यालय में वरिष्ठ कार्यकर्ताओ की आयोजित इस बैठक में प्रदेश की ओर से भाजपा प्रदेश महामंत्री ओ.पी. चौधरी,भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष भूपेंद्र सवन्नी,जिला संगठन प्रभारी रजनीश सिंह व सह प्रभारी गोपाल साहु की विशेष उपस्थिति रही,जिसमे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। वही जिले की इस बैठक में मुख्य रूप से रामपुर विधायक ननकीराम कंवर,भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष लखन लाल देवांगन,प्रदेश कार्यसमिति सदस्य विकास महतो,जोगेश लाम्बा,रामदयाल उइके,ज्योतिनंद दुबे,जिलाध्यक्ष डॉ राजीव सिंह,महामंत्री द्वय संतोष देवांगन,टिकेश्वर राठिया, कोषाध्यक्ष गोपाल मोदी,प्रफुल्ल तिवारी,संजय भावनानी,गोविंद सिंह राजपूत,केदारनाथ अग्रवाल,संजय शर्मा,महिला मोर्चा से प्रदेश सदस्य श्रीमती ज्योति वर्मा,श्रीमती मंजू सिंह, जिलाध्यक्ष श्रीमती वैशाली रत्नपारखी,महामंत्री श्रीमती संजू देवी राजपूत सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

ब्राह्मण संस्कार सेवा समिति कोरिया द्वारा श्री परशुराम मंदिर निर्माण को लेकर 13 नवंबर को बैठक की आयोजित

-संवाददाता-
बैकुण्ठपुर 30 अक्टूबर 2022 (घटती-घटना)।
ब्राह्मण संस्कार सेवा समिति कोरिया द्वारा शरी परशुराम मंदिर निर्माण को लेकर 13 नवंबर को बैठक आयोजित की है जिसमे समस्त पदाधिकारी एवं सदस्य गण एवं सभी विप्र बन्धु ब्राह्मण संस्कार सेवा समिति के लोगो को उपस्थित होने का आग्रह किया गया है।ब्राह्मण संस्कार सेवा समिति कोरिया के अध्यक्ष अशोक पाण्डेय ने बतया की आम सभा की बैठक के सम्बंध दिनांक 13.11.2022

दिन रविवार को दोपहर 12.00 बजे, प्रेमाबाग बैकुंठपुर में आम सभा की बैठक रखी गयी है। इस बैठक में ब्राह्मण संस्कार सेवा समिति की कार्यकारिणी, श्री परशुराम मन्दिर निर्माण समिति, साथ ही समस्त विप्र बन्धु जो इस ग्रुप में जुड़े हुए हैं सभी की उपस्थिति अनिवार्य है साथ ही बैठक में श्री परशुराम मन्दिर निर्माण की समीक्षा, मन्दिर निर्माण कार्य की शेष कार्यों पर पर चर्चा, श्री परशुराम जी की प्रतिमा एवं प्राण प्रतिष्ठा विषय पर चर्चा, परिचय सम्मेलन विषय पर चर्चा, आगामी समय मे उपनयन संस्कार आयोजित करने की चर्चा। इस बैठक में ब्राह्मण समाज कोरिया युवा अध्यक्ष एवं कार्यकारिणी की उपस्थिति अपेक्षित है।

अज्ञात वाहन के जोरदार टक्कर से बाइक सवार की हुई मौत

-संवाददाता-
कोरबा,30 अक्टूबर 2022 (घटती-घटना)।
जिले के कुसमुंडा थाना क्षेत्र में शनिवार रात एक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। मृतक युवक की पहचान रूपेश कुमार शर्मा (23 वर्ष) के रूप में हुई जो दीपका में रहता था। दुर्घटना लक्ष्मण टिपर रोड पर गेवरा खदान जाने वाले मुख्य मार्ग पर हुई। जानकारी के मुताबिक, गेवरा हेलीपैड से कुछ दूर पहले बाइक सवार युवक को अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। जिससे युवक बाइक समेत सड़क पर गिर गया। युवक का सिर सड़क पर जोर से टकराया। हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों ने हादसे की सूचना डायल 112 को दी। मौके पर पहुंचकर डायल 112 में तैनात आरक्षक विद्यासागर रात्रे और ड्राइवर सूरज रात्रे घायल युवक को लेकर तुरंत विकास नगर स्थित अस्पताल आए, लेकिन जांच के बाद डॉक्टरों ने युवक को मृत घोषित कर दिया। कुसमुंडा पुलिस ने रविवार को शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के बाद उसके परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए सौंप दिया।

कलेक्टर पीएस धूव ने राज्योत्सव की तैयारियों का लिया जायजा

-संवाददाता-
मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर 30 अक्टूबर 2022 (घटती-घटना)।
छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस एक नवंबर को मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में शासन के निर्देशानुसार जिला मुख्यालय में एक दिवसीय राज्योत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन मनेन्द्रगढ़ स्थित स्वामी आत्मानन्द शासकीय अंग्रेजी माध्यम विद्यालय ग्राउण्ड में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संचालक सीजीएमएससी व मनेन्द्रगढ़ विधायक डॉ विनय जायसवाल होंगे। कार्यक्रम के सुचारू संचालन हेतु कलेक्टर श्री पीएस ध्रुव ने सभी विभागीय अधिकारियों को दायित्व सौंपे हैं। कलेक्टर श्री ध्रुव आज स्वयं राज्योत्सव स्थल पहुंचे। राज्योत्सव की तैयारियां जोरो-शोरों से जारी है। कलेक्टर के निर्देशानुसार कार्यक्रम में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर विभागीय योजनाओं के सम्बंध में प्रदर्शनी लगायी जाएगी, इस हेतु उन्होंने पूर्व तैयारियां सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्य गेट, अन्य द्वार, अतिथियों की बैठक व्यवस्था, मंच, माइक, साज-सज्जा, साफ-सफाई अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

मुख्यमंत्री के वर्चुअल कार्यक्रम में जुड़े सरगुजा विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष व कलेक्टर

जिला चिकित्सालय में स्थापित सिकल सेल प्रबंधन का फीता काटकर किया अवलोकन

-संवाददाता-
बलरामपुर 30 अक्टूबर 2022 (घटती-घटना)।
मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने आज अपने निवास कार्यालय में आयोजित वर्चुअल कार्यक्रम में प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों और जिला अस्पतालों में स्थापित नवीन सिकल सेल प्रबंधन केंद्रों का लोकार्पण किया। इस अवसर पर जिला चिकित्सालय बलरामपुर से सरगुजा विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष एवं रामानुजगंज विधायक श्री बृहस्पत सिंह व कलेक्टर श्री विजय दयाराम के., नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सुन्दरमणी मिंज, नगर पालिका बलरामपुर के उपाध्यक्ष श्री नवीन गुप्ता सहित जिले के स्वास्थ्य अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक व आमजन वर्चुअल माध्यम से जुड़े तथा सरगुजा विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष श्री बृहस्पत सिंह ने जिला चिकित्सालय में स्थापित नव निर्मित सिकल सेल प्रबंधन केन्द्र का फीता काटकर अवलोकन किया। सिकल सेल

प्रबंधन केन्द्र के नोडल अधिकारी डॉ. शांति नन्दन मिंज को नियुक्त किया गया है। वर्चुअल कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कहा कि सिकलसेल की समस्या का प्रभावी रूप से मुकाबला करने के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा प्रदेश के समस्त मेडिकल कॉलेज अस्पतालों एवं सभी जिला चिकित्सालयों में नवीन सिकल सेल प्रबंधन केंद्र की स्थापना की गई है। इन केन्द्रों में सिकलसेल की जांच एवं उपचार के साथ अस्पताल की प्रयोगशाला के माध्यम से साल्युबिटी टेस्ट द्वारा स्क्रीनिंग एवं इलेक्ट्रोफोरेसिस/नवीन विधि पॉइंट ऑफ केयर टेस्ट द्वारा पुष्टि हेतु जांच उपलब्ध कराई जा सकेगी।

संसदीय सचिव चिंतामणि महाराज के मुख्य आतिथ्य में होगा राज्योत्सव कार्यक्रम का आयोजन

-संवाददाता-
बलरामपुर 30 अक्टूबर 2022 (घटती-घटना)।
छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस 01 नवम्बर के अवसर पर जिला मुख्यालय बलरामपुर के शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के खेल मैदान में जिला स्तरीय राज्योत्सव कार्यक्रम लोक निर्माण गृह, जेल, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व, पर्यटन विभाग के संसदीय सचिव एवं सामरी विधायक श्री चिन्तामणी महाराज के मुख्य आतिथ्य व जिला पंचायत बलरामपुर की अध्यक्ष सुश्री निशा नेताम की अध्यक्षता में दोपहर 01.00 बजे से आयोजित की गई है।

राज्योत्सव कार्यक्रम में केन्द्रीय राज्य मंत्री जनजातीय कार्य मंत्रालय भारत सरकार श्रीमती रेणुका सिंह, स्कूल शिक्षा,आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास व सहकारिता मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम, सरगुजा विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष एवं रामानुजगंज विधायक बृहस्पत सिंह, जनपद पंचायत बलरामपुर के अध्यक्ष श्री विनय पैकरा तथा नगर पालिका परिषद् बलरामपुर की अध्यक्ष श्रीमती सुन्दरमणी मिंज विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी।

CMYK

देवर जी बनी ड्राइबरवा,मोटरवा हाकी जल्दी से जी,सैया जी हाली रहुआ पहनी पियरिया अरघिया के बेर भईलःरंजीता सिंह

» जोड़े जोडे सुपवा तोरे चढ़ईबो ना छठी मईया तोरे चढ़ईबो ना मईया खोल नाही केवड़िया हे दर्शनवा देहु ना...

» छठी मैया देहलू आशीषया चहके अंगना दुवार,अचरा में भर लूं सनेहिया टहके सेनुरा हमार...

» संतान के सुख-सौभाग्य,समृद्धि और सुखी जीवन की कामना के लिए किया गया छठ व्रत।

» रविवार को संध्या में डुबते सूर्य को दिया गया अर्घ्य।

-रवि सिंह-

बैकुण्ठपुर/पटना 30 अक्टूबर 2022 (घटती-घटना)।

छठी मैया देहलूआशीषया चहके अंगना दुवार,अचरा में भर लूं सनेहिया टहके सेनुरा हमार.बेदिया बनत दूब छिलके धरती या, त घर घर होत छठ माई के बरतिया, सुपली मओनिया मे जरे दिया बतिया त घरे घरे होता छठी माई के बरतिया, ठेकुआ छनत रमजाला जाऊरवा हो, सेहुआ शरीफवा से सजल दौउरवा हो, कन्हैया पर उखिया लचके पियरी मउरवा हो, सेहुआ शरीफवा से सजल दउरवा हो....। भइल भिनूसर अइल अरघ के वक्तीया, उगा हो सूरुजमल लेके अपन रथिया, उगा हो सूरुजमल लेके अपन रथिया, लेइ के अरघ सफल कै दा बरतिया, ता उगा हो आदित्य देव लेके अपन रथिया, ता उगा हो आदित्य देव लेके अपन रथिया---। छठ पर्व के सुमधुर महिलाएं समूह में लोक गीत गाते हुए घर से निकली और तालाब तक गीत गाते हुये पहुंची।

कार्तिक शुक्ल पक्ष षष्ठी पर सूर्योपासना के लिए मनाया जाना वाला चार दिवसीय महापर्व नहाय-खाय के साथ शुरू हुआ शनिवार को उपासकों द्वारा छठ घाट बांधा गया। रविवार की शाम पटना के श्रद्धालू झूमर व बुढा सागर तालाब में, कटकोना में एसईसीएल तालाब, गोबरी जलाशय में व्रतधारियों ने अस्तचलगमी सूर्य को पानी में खड़े होकर प्रथम अर्ध्य अर्पित किया। व्रतधारी महिला व पुरूष डूबते हुए सूर्य को फल और कंद मूल से भी अर्ध्य अर्पित किया। इस छठ महापर्व के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। चारो-ओर छठ गीत की गूंज रही। छठ महापर्व के दूसरे दिन श्रद्धालु दिन भर बिना जल ग्रहण किए उपवास रहने के बाद सर पर फलों से सजी दौरी व सुप लेकर सूर्य देव को अर्ध्य देने तालाब घाट पहुंचे जहां महिलाएं पानी में खड़े होकर फलों से सजी सुप अस्तचलगमित सूर्य को अर्ध्य अर्पित किया और अपने घर परिवार सुख, समृद्धि की कामना की।

पूरे भारत में मनाया जाने लगा है छठ पर्व

महापर्व छठ लोक आस्था का प्रतीक है इस महापर्व का तीसरे दिन डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है दीवाली के तुरंत बाद ही बिहार, झारखण्ड और पूर्वी उत्तर प्रदेश में छठ की तैयारियां तो रहती है पर यह महापर्व छठ लोक आस्था का प्रतीक है इस महापर्व को जहां कुछ राज्यों में मनाया जाता था पर अब धीरे-धीरे यह पर्व पूरे भारतवर्ष के हर राज्यों में मनाया जाने लगा है यह एक ऐसा पर्व है जिसमें प्राकृतिक की पूजा होती है यह पर्व प्राकृतिक से जुड़ा हुआ है और जैसे-जैसे इस पर्व की जानकारी लोगों को मिल रही है वैसे वैसे इस पर्व के आस्था से लोग जुड़ रहे हैं यही वजह है कि बहुत तेजी से यह पर्व हर तरफ होने लगा है और लोगों की आस्था इस पर्व के प्रति बढ़ी है यहां तक कि इस पर्व को करने के लिए लोगों के अंदर लालसा भी खूब जागी है और इतने कठिन पर्व को भी करने के लिए लोग अब हर्ष उत्साहित हैं, ये 4 दिवसीय त्योहार में भगवान सूर्य देवता की पूजा की जाती है, छठ का त्योहार साल में 2 बार मनाया जाता है, जिसमें पहला चैत्र शुक्ल षष्ठी और दूसरा कार्तिक माह की शुक्ल षष्ठी के दिन मनाया जाता है, 4 दिन के इस त्योहार में, 36 घंटे का निर्जला व्रत रखा जाता है, संतान के सुख-सौभाग्य, समृद्धी और सुखी जीवन की कामना के लिए छठ की पूजा की जाती है, इस पर्व की शुरुआत नहाय खाय के साथ होती है, इसके बाद खरना, अर्घ्य और पारण किया जाता है, खरना के दिन चावल और गुड़ की खीर बनाई जाती है।

सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

इस बार छठ घाट में श्रद्धालुओं की भीड को देखते हुए सुरक्षा के पुख्ता इन्तजाम किया गया है। घाट पर श्रद्धालुओं को रात में रहने के लिए पंडाल व लाईटिंग कि व्यवस्था भी की गई। ताकि श्रद्धालुओ को किसी भी प्रकार की दिक्कत न हो अर्ध्य के इस पर्व को लोग बड़ी धुम धाम से मना रहे हैं। उल्लास में पर्व के तीसरे दिन स्थानीय तालाब के छठ घाट के आसपास जम के पटाखे फोड़कर लोगो ने हर्ष प्रदर्शित किया।

छठ पर्व पर फल का अलग महत्व

छठ महापर्व पर कई तरह के फल चढ़ाए जाते हैं जैसे केला, सेव, संतरा, मुसंबी, सिंघाड़ा, अनानस, बैर, सुथनी, लालकंदा, जैसे कई कंद मूल से सूर्य देव की पूजा की जाती है यह सभी फल व्यापारी छत्तीसगढ़ के बाहर से दो दिनों पूर्व ही मंगा लेते है ताकि श्रद्धालुओं को समय पर उपलब्ध करा सकें। इस बार भी फल की सुप सजाने के लिए फल की खरीदारी में पूरे दिन जुटे रहे।

श्रद्धालु के सिर पर सजा पूजा की सूप

सूर्य साधक के परिवार का प्रत्येक व्यक्ति स्वच्छ परिधान में नंगे पैर सिर पर पूजा की टोकरी लिये हुए घर से छठ घाट तक पैदल पहुंचे।

यह है परंपरा

छठ पूजा में भगवान सूर्य की सातों समय की पूजा नदी, नाला तालाब के किनारे ही करने का विधान है इस पूजा की शुरूआत दीपावली के चौथे दिन हो गई थी, महिलाएं एवं पुरूश इस व्रत मे 36 घंटे का निर्जला व्रत रखते हैं। तीनों दिनों के दौरान व्रतधारियों द्वारा केवल चावल एवं लौकी की सब्जी का सेवन किया गया। दिवाली के छठवे दिन बुधवार को घाट में विधि-विधान के साथ पूजन किया गया। ऐसी मान्यता है कि भगवान विष्वामित्र ने इसी दिन गंगा नदी के घाट पर दूसरी सृश्टी के निर्माण के लिए माता गायत्री की आराधना की थी।

पुराणों में मिलता छठ व्रत कैसे शुरू हुई परंपरा की कथा

छठ व्रत की परंपरा सदियों से चली आ रही है, यह परंपरा कैसे षुरू इस संदर्भ में एक कथा का उल्लेख पुराणों में मिलता है, इसके अनुसार प्रियव्रत नामक एक राजा की कोई संतान नहीं थी, संतान प्राप्ति के लिए महर्शि कश्यप ने उन्हें पुत्रयेश्टि यज्ञ करने का परामर्ष दिया, यज्ञ के फलस्वरूप महारानी ने एक पुत्र को जन्म दिया, किन्तु व शिशु मृत था इस समाचार से पूरे नगर में शोक व्याप्त हो गया। तभी एक आष्चर्य जनक घटना घटी, आकाश से एक ज्योतिर्मय विमान धरती पर उतरा और उसमें बैठी देवी ने कहा,'मैं षष्ठी देवी और विश्व के समस्त बालकों की रक्षिका हूं' इतना कहकर देवी ने शिशु के मृत शरीर का स्पर्ष किया, जिससे वह बालक जीवित हो उठा, इसके बाद से ही राजा ने अपने राज्य में यह त्योहार मनाने की घोषणा कर दी।

सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी की उनके बताए रास्ते पर कुछ कदम चलें:पूर्व जिलाध्यक्ष लखनलाल

» स्वर्गीय दीपक पटेल थे कर्म योगी: जिला अध्यक्ष अनिल केसरवानी

» भाजपा के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष व पूर्व विधायक स्व.दीपक पटेल के असामयिक निधन पर जिले भर के कार्यकर्ताओं ने भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

-संवाददाता-

बैकुण्ठपुर/मनेंद्रगढ़ 30 अक्टूबर 2022 (घटती-घटना)।

भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष मनेंद्रगढ़ विधानसभा के पूर्व विधायक और भाजपा छत्तीसगढ़ के प्रदेश प्रशिक्षण प्रभारी दीपक भाई पटेल के असामयिक निधन पर जिले भर के कार्यकर्ताओं ने उन्हें अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर भाजपा मंडल द्वारा डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी वाटिका में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया जिसमें पार्टी कार्यकर्ताओं ने स्वर्गीय पटेल के निधन को अपूरणीय क्षति बताया। इस अवसर पर उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं ने काका के नाम से प्रसिद्ध स्वर्ग दीपक पटेल को विनम्रता पूर्वक याद किया और श्रद्धांजलि दी। श्रद्धांजलि सभा के अवसर पर सभी कार्यकर्ताओं ने स्वर्गीय पटेल के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए कहा कि प्रखर वक्ता दीपक पटेल के ना रहने पर उनकी चर्चा हमेशा हुआ करेगी। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष अनिल केसरवानी, पूर्व जिला अध्यक्ष लखनलाल श्रीवास्तव, मंडल अध्यक्ष धर्मेंद्र पटवा, महामंत्री रामचरित द्विवेदी, महामंत्री संजय गुप्ता, विवेक अग्रवाल, किशन शाह, मुरलीधर सोनी, सुरेश सोनी ,सतीश बडेरा, हेमराज सेन,राजेश कातेला, जेके सिंह, नवल किशोर शर्मा,रमाशंकर गुप्ता, श्रीमती जया कर, श्यामा सेन, गीता पासी, इंद्रावती, गायत्री श्रीवास्तव, पूजा पटेल, रेवती सोनी, स्वाति मिश्रा, रूबी पासी, रामचंद्र अग्रवाल, जलील साह, अखिलेस मिश्र, अतुल जायसवाल, यशुदास, रामधुन जायसवाल, हेमराज सेन, गंगा यादव, आकाश दुआ, मनोज केसरवानी, महेंद्र शुक्ला, मुनेश्वर दास, अशोक नाविक, लक्ष्मी नारायण सोनी, अर्जुन सोनी, चंद्रशेखर पटेल, साहू समेत काफी संख्या में विभिन्न मोर्चा प्रकोष्ठ के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

स्वर्गीय दीपक पटेल थे कर्म योगी- इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष अनिल केसरवानी ने स्वर्गीय पटेल जी को कर्म योगी बताया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कम ही ऐसे नेता हैं जिनकी मृत्यु पर जनमानस के साथ-साथ प्रदेश के नेताओं ने शोक संवेदना व्यक्त कर इस दुख की घड़ी में परिवार को सांत्वना दी।

सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी की उनके बताए रास्ते पर कुछ कदम चलें- पूर्व जिलाध्यक्ष लखनलाल श्रीवास्तव ने कहा कि स्वर्गीय दीपक पटेल को सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी उनके बताए रास्ते पर कुछ कदम चलें। महिला मोर्चा की पूर्व जिलाध्यक्ष श्रीमती जया कर ने कहा की पूर्व विधायक दीपक पटेल के निधन से एक अपूर्णीय क्षति हुई है, जिसकी भरपाई निकट भविष्य में नहीं दिख रही है।

जिला स्तर पर कर्मचारियों की भर्ती के लिए विधायक कमरो ने की पहल

भर्ती के लिए विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने मुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन

-संवाददाता-

मनेन्द्रगढ़/बैकुण्ठपुर 30 अक्टूबर 2022 (घटती-घटना)।

सविप्रा उपाध्यक्ष भरतपुर-सोनहत विधायक गुलाब कमरो ने सरगुजा एवं बस्तर संभाग के स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर दिए जाने हेतु गठित कनिष्ठ कर्मचारी चयन बोर्ड के स्थान पर जिला स्तर पर तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों की भर्ती किए जाने के संबंध में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को ज्ञापन सौंपा है। विधायक ने अपने ज्ञापन में कहा कि सरगुजा एवं बस्तर संभाग के स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर दिए जाने हेतु गठित कनिष्ठ कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा भर्ती कार्रवाई की जा रही थी, लेकिन इस बीच छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय बिलासपुर में याचिका दायर होने पर आरक्षण समाप्त कर दिए जाने से भर्ती कार्रवाई फिलहाल रोक दी गई है। विधायक ने कहा कि सरगुजा एवं बस्तर संभाग अंतर्गत आने वाले जिले में तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों की भर्ती जिले के रिक्त पदों पर आरक्षण रोस्टर अनुसार जिला स्तर पर किए जाने से सभी वर्गों के शिक्षित बेरोजगारों के हित में उचित होगा।

विधायक कमरो ने मुख्यमंत्री से सरगुजा एवं बस्तर संभाग के स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर दिए जाने हेतु गठित कनिष्ठ कर्मचारी चयन बोर्ड के स्थान पर तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों की भर्ती जिलेवार रोस्टर अनुसार किए जाने हेतु विधानसभा का विशेष सत्र आहूत कर नियम पारित कराए जाने का आग्रह किया है। विधायक ने स्थानीय शिक्षित युवा बेरोजगारों के हितों में शीघ्र सार्थक और सराहनीय पहल होने का भरोसा दिलाया है।

प्रशासन नहीं रोक पा रहा अवैध रेत का कारोबार

-ओमकार पांडेय-

सूरजपुर 30 अक्टूबर 2022 (घटती-घटना)।

जिले में बालू का अवैध खनन धड़ल्ले से चल रहा है। सूरजपुर जनपद पंचायत के अंतर्गत ग्राम पंचायत सोहागपुर में बालू माफिया दिन रात बालू का अवैध खनन कराकर मालामाल हो रहे हैं। बिना रायल्टी बालू निकाले जाने से सरकार को राजस्व का लाखों रुपये का चूना लगाया जा रहा है। रोक के बाद भी मशीनों से खनन कार्य कराया जा रहा है। जिम्मेदार अधिकारी सब कुछ जानकर अनजान है। जिससे बालू माफिया नदियों का सीना चीर रहे हैं। जिले में बालू के अवैध खनन का खेल लंबे समय से चल रहा है। ग्राम पंचायत सोहागपुर में धड़ल्ले से खनन का कार्य जारी है।

एक नवम्बर से शुरू होगी धान खरीदी,जिले में 20 खरीदी केन्द्रों में 20 हजार से अधिक किसान बेचेंगे धान

» हर खरीदी केंद्र में नोडल नियुक्त,छोटे किसानों को धान खरीदी में प्राथमिकता।

अवैध परिवहन रोकने बनाए गए 3 चेक पोस्ट,जांच दल गठित कर अवैध धान का आवक रोकने कलेक्टर ने दिए कड़े निर्देश

-संवाददाता-

बैकुण्ठपुर 30 अक्टूबर 2022 (घटती-घटना)।

राज्य शासन द्वारा खरीफ विपणन वर्ष 2022-23 के लिए समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की शुरूआत 1 नवम्बर से शुरू होने वाली है। जिले में 20 उपार्जन केन्द्रों में 15 समितियों के माध्यम से खरीदी की जाएगी। इस वर्ष कुल 20,282 किसानों ने पंजीयन करवाया, जिनका कुल रकबा 25806.1198 हेक्टर है। पिछले वर्ष को तुलना में इस वर्ष 1,210 नवीन किसानों ने पंजीयन करवाया है। धान खरीदी का लक्ष्य 9,04,450 टन रखा गया है। इसके लिए जिले में सभी तैयारियां नियुक्त नोडल तथा सहायक नोडल अधिकारियों द्वारा चेक लिस्ट अनुसार की गई हैं।

कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह द्वारा लगातार स्वयं उपार्जन केन्द्रों का निरीक्षण कर सभी आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया जा रहा है। उन्होंने सम्बंधित अधिकारियों को धान खरीदी के सुचारू संचालन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं तथा साफ-सफाई, पेयजल, विद्युत, बारदाने, सुरक्षा व्यवस्था, तकनीकी उपकरणों इत्यादि व्यवस्थाओं को दुरस्त करने निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि धान बेचने आए किसानों को किसी तरह की समस्या ना हो, धान खरीदी सुचारू संचालन हेतु सभी अधिकारी निरंतर खरीदी केन्द्रों का निरीक्षण करें। कलेक्टर श्री लंगेह ने उपार्जन अवधि के दौरान धान खरीदी केन्द्रों में अवैध धान की आवक को रोकने एवं कोचियों-बिचौलियों पर निगरानी रखने हेतु आदेश जारी कर जांच दल गठित किया है, साथ ही राजस्व विभाग द्वारा 3 चेक पोस्ट भी बनाए गए हैं।

एन्ड्रॉयड एप 'टोकन तुंहर हाथ' के जरिए पंजीकृत किसान धान विक्रय हेतु घर बैठे ऑनलाइन टोकन कर सकेंगे प्राप्त- मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की विशेष पहल पर अब समर्थन मूल्य पर धान बेचने वाले किसानों के लिए को धान बेचने के लिए घर बैठे ऑनलाइन टोकन प्राप्त करने की सुविधा मिलेगी। मुख्यमंत्री के निर्देश पर पंजीकृत किसान को धान विक्रय हेतु टोकन जारी करने की प्रक्रिया के सरलीकरण एवं सुव्यवस्थित प्रबंधन के उद्देश्य से एन.आई.सी. द्वारा एन्ड्रॉयड एप ''टोकन तुंहर हाथ'' विकसित किया गया है। ''टोकन तुंहर हाथ'' एप की सहायता से प्रत्येक पंजीकृत किसान संबंधित उपार्जन केन्द्र में स्वयं निर्धारित तिथि में धान विक्रय हेतु टोकन प्राप्त कर सकेंगे। इस एप के जरिए किसान को समिति द्वारा दर्ज किसान की जानकारी, पंजीकृत रकबा, बैंक खाता, टोकन एवं धान खरीदी आदि की सभी नवीन जानकारियां प्राप्त होंगी। साथ ही एप के उपयोग से पंजीकृत किसानों द्वारा संबंधित समिति अथवा उपार्जन केन्द्रों में आगामी सात दिनों तक टोकन प्राप्त किया जा सकता है। एप के जरिए संबंधित समिति अथवा उपार्जन केन्द्र में हर दिन की खरीदी क्षमता के 30 प्रतिशत की सीमा तक ऑनलाइन टोकन प्राप्त किया जा सकेगा। उक्त सीमा में भी सीमांत, लघु और दीर्घ किसानों को उनकी पंजीकृत संख्या के अनुपात में टोकन हेतु समान अवसर उपलब्ध होगा। संबंधित समिति/उपार्जन केन्द्र में शेष 70 प्रतिशत खरीदी क्षमता की मात्रा ऑफलाइन टोकन हेतु उपलब्ध रहेगी, ताकि ऐसे किसान जो एप के माध्यम से टोकन प्राप्त करने में असुविधा महसूस करते हैं, उन्हें पूर्व की भांति समिति मॉड्यूल से टोकन प्राप्त हो सके। गौरतलब है कि एप के जरिए टोकन जारी करने की व्यवस्था पूर्व वर्षों में समिति मॉड्यूल से टोकन जारी करने की व्यवस्था करने की प्रक्रिया के अलावा अतिरिक्त रूप से की जा रही है। इस तरह किसानों को ऑनलाइन एवं ऑफलाईन दोनों माध्यमों से टोकन प्राप्त हो सकेगा। उक्त एप के उपयोग से समिति/उपार्जन केन्द्रों में टोकन प्राप्त करने हेतु किसानों की भीड़ में कमी आएगी। किसानों को घर बैठे धान बेचने के लिए टोकन मिल सकेगा। उन्हें समिति/उपार्जन केन्द्रों में जाने की जरूरत नहीं होगी।

न्यायालय,अनुविभागीय अधिकारी (रा), सूरजपुर,जिला-सूरजपुर, छ.ग.

रा.प्र.क्र/.../अ-2/2021-22

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण ग्रामवासी ग्राम-अजबनगर को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री नैन साय पिता स्व. होलसाय जाति गोंड़ निवासी ग्राम अजबनगर तहसील लटोरी जिला सूरजपुर (छ0ग0) नें अपने स्वमित्व व आधिपत्य की कृषि भूमि स्थिति ग्राम अजबनगर प.ह.नं. 26 तहसील लटोरी जिला सूरजपुर स्थित भूमि खसरा क्रमांक 418 रकबा 0.72 हें में से रकबा 0.10 हें भूमि को व्यवसायिक प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतएव इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो, तो वे स्वयं अथवा अपने किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से इस न्यायालय में दिनांक 04/11/2022 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपति प्रस्तुत कर सकते हैं। उसके पश्चात् प्राप्त दावा/आपति पर काई विचार निहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 19/10/2022 को न्यायालीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया है।

सील

अनुविभागीय अधिकारी (रा) सूरजपुर जिला-सूरजपुर(छ.ग.)

लड़खड़ाते हुए दक्षिण अफ्रीका ने टीम इंडिया को हराया

दक्षिण अफ्रीका और भारत के बीच रोमांचक मुकाबले में टीम इंडिया की हार। डेविड मिलर अपनी शानदार पारी से पांच विकेट से दक्षिण अफ्रीका को जीत दिलाई। शुरूआत में भारतीय गेंदबाजों ने दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाजों को काफी परेशान किया और 10 ओवरों तक दबाव बना कर रखा।

पर्थ,30 अक्टूबर 2022। दक्षिण अफ्रीका और भारत के बीच रोमांचक मुकाबले में टीम इंडिया की हार। डेविड मिलर अपनी शानदार पारी से पांच विकेट से दक्षिण अफ्रीका को जीत दिलाई। शुरूआत में भारतीय गेंदबाजों ने दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाजों को काफी परेशान किया और 10 ओवरों तक दबाव बना कर रखा। अर्शदीप ने दो विकेट लिए लेकिन डेविड मिलर और मारक्रम ने मिलकर कमान संभाली। आर एक अच्छी साझेदारी के साथ रनों को चेस किया। खेल आखिरी ओवर तक गया क्योंकि भारतीय गेंदबाजों ने हार नहीं मानी। 6 बॉल पर 6 रनों की दरकार थी और गेंद भुवनेश्वर करवा रहे थे। आखिर में रोमांचक मुकाबला हुआ और दक्षिण अफ्रीका ने अपनी जीत दर्ज की।

तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी से मिले झटकों से भारत आखिर तक नहीं उबर पाया और सूर्यकुमार यादव के आकर्षक अर्धशतक के बावजूद दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 विश्व कप के सुपर 12 मैच में रविवार को यहां नौ विकेट पर 133 रन ही बना पाया। भारत ने पांच विकेट 49 रन पर गंवा दिए थे, जिसके बाद सूर्यकुमार ने 40 गेंदों पर 68 रन बनाए जिसमें तीन छक्के और छह चौके शामिल हैं। दक्षिण अफ्रीका की तरफ से एनगिडी ने 29 रन देकर चार विकेट और वेन पर्नेल ने 15 रन देकर तीन विकेट लिये। सूर्यकुमार को छोड़कर कोई भी अन्य भारतीय बल्लेबाज ऑप्टस स्टेडियम की तेज और उछाल वाली पिच से सामंजस्य नहीं बिठा पाया और ऐसे में रोहित शर्मा का टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला गलत साबित हो गया। भारत ने पावरप्ले में ही अपने दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट गंवा दिए।

वेन पर्नेल का पहला ओवर मेडन रहा जिसके बाद रोहित (15) ने कैगिसो रबाडा के अगले ओवर में छक्का जड़कर टीम का खाता खोला। केएल राहुल (नौ) ने भी पर्नेल के अगले

ओवर में छक्का लगाकर अपना आत्मविश्वास जगाने का प्रयास किया। रोहित को रबाडा के इस ओवर में जीवनदान भी मिला लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाए और जब एनगिडी पांचवा ओवर करने के लिए आए तो भारतीय कप्तान ने गेंदबाज को वापसकैच थमा दिया। राहुल की खराब फॉर्म जारी रही। एनगिडी ने अपने इसी ओवर में उन्हें स्लिप में कैच कराकर भारत को दूसरा झटका दिया। भारत ने पावरप्ले में दो विकेट पर 33 रन बनाए। एनगिडी ने अपने दूसरे ओवर में विराट कोहली (12) के रूप में भारत को तीसरा बड़ा झटका दिया।

पिछले दो मैचों में अर्धशतक जड़ने वाले कोहली ने इस ओवर की पहली दो गेंदों पर चौके लगाए लेकिन जल्द ही उन्होंने फाइन लेग पर रबाडा को कैच थमा दिया। दीपक हुड्डा को पांचवें नंबर पर उतारा गया लेकिन एनरिक नोर्किया ने उन्हें खाता भी नहीं खोलने दिया। हार्दिक पंड्या केवल दो रन बना पाए। एनगिडी की गेंद पर रबाडा ने उनका शानदार कैच लपका। अब दारोमदार सूर्यकुमार पर था जिन्होंने नोर्किया की गेंद छह रन के लिए भेज कर दबाव हटाने की कोशिश की। स्पिनर केशव महाराज पर लगाया गया उनका छक्का दर्शनीय था। सूर्यकुमार ने एनगिडी पर छक्का और फिर चौका लगाकर 30 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया।

दस ओवर के बाद भारत का स्कोर पांच विकेट पर 60 रन था और सूर्यकुमार के बल्ले से निकले रनों की बदौलत उसने 15 ओवर में अपना स्कोर 100 रन के पार पहुंचाया, लेकिन शुरू से रन बनाने के लिए जूझ रहे दिनेश कार्तिक (15 गेंदों पर छह) ने इसके तुरंत बाद अपना विकेट गंवा दिया। सूर्यकुमार ने एक छोर से रन बनाने जारी रखे लेकिन दूसरे छोर से उन्हें कोई मदद नहीं मिली। रविचंद्रन अश्विन भी केवल सात रन बना पाए। पर्नेल ने अश्विन को आउट करने के बाद भारतीय पारी के इस 19वें ओवर में सूर्यकुमार का कीमती विकेट भी लिया।

बांग्लादेश नेअंतिम ओवर में जिम्बाब्वे को तीन रन से हराया

ढाका, 30 अक्टूबर 2022। बांग्लादेश ने रविवार को यहां टी20 विश्व कप के महत्वपूर्ण मैच के नाटकीय अंतिम ओवर के बाद जिम्बाब्वे पर तीन रन से जीत दर्ज की जिसमें अधिकारियों को डगआउट से खिलाड़ियों को मुकाबला पूरा करने के लिये वापस बुलाना पड़ा क्योंकि उन्होंने महसूस किया कि नुरूल हसन की अंतिम गेंद पर स्टंपिंग की अपील सही नहीं थी। बांग्लादेश खिलाड़ी जीत का जश्न मना रहे थे और डगआउट पहुंच गये थे क्योंकि जिम्बाब्वे के ब्लेसिंग मुजारबानी को हसन ने स्टंप कर दिया था। हालांकि टीवी रिप्ले में दिखा कि हसन ने विकेट के आगे से गेंद पकड़ ली थी जो नियमों के खिलाफ है जिससे जिम्बाब्वे को 'फ्री हिट' मिला और सभी खिलाड़ियों को अंतिम गेंद खेलने के लिये मैदान पर वापस बुलाया गया।

जिम्बाब्वे को इससे अब जीत के लिये चार रन की दरकार थी। बांग्लादेश की जीत का जश्न मनाने वाले खिलाड़ी हाथ मिलाने के बाद मैदान से बाहर चले गये थे लेकिन अंतिम गेंद खेलने के लिये फिर लौटे। पर जिम्बाब्वे की टीम इस मौके का फायदा नहीं उठा सकी और मुजारबानी फिर चूक गये और अंत में बांग्लादेश ने जीत का फिर से जश्न मनाया। सलामी बल्लेबाज नजमुल हुसैन शांटो (55 गेंद में 71 रन) के क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप में पहले अर्धशतक की बदौलत बांग्लादेश ने सात विकेट 150 रन बनाये। इस लक्ष्य के जवाब में जिम्बाब्वे ने कई विकेट गंवा दिये जिससे छठे ओवर में उनका स्कोर चार विकेट पर 35 रन था लेकिन सीन विलियम्स ने 42 गेंद में 64 रन की अर्धशतकीय पारी से टीम की उम्मीद कायम रखी। विलियम्स 19वें ओवर में आउट हुए जिससे जिम्बाब्वे का अंतिम छह गेंद पर 16 रन चाहिए थे।

मोसादेक हुसैन ने अपने करियर का सबसे महत्वपूर्ण ओवर डाला, उन्होंने दूसरी गेंद पर ब्रैड इंवास (02) को आउट किया लेकिन अगली दो गेंद पर रिचर्ड नगारावा ने उन पर एक चौका और एक छक्का जड़ दिया जिससे टीम दौड़ में बनी रही। हुसैन ने हालांकि अगली गेंद पर नगारावा को स्टंप कर दिया जिससे जिम्बाब्वे को अंतिम गेंद में पाच रन चाहिए थे। अंतिम गेंद (जो नो बॉल करार कर दी गयी) के बाद फिर ऐसी घटना हुई जो विरले ही देखने को मिलती है। यह बांग्लादेश की टूर्नामेंट में दूसरी जीत थी, उसे इससे पहले दक्षिण अफ्रीका से 104 रन से हार का सामना करना पड़ा था। जिम्बाब्वे को सुपर 12 चरण में अपनी पहली हार झेलनी पड़ी। बांग्लादेश (4) अब अंक तालिका में दूसरे स्थान पर है, उसे दो और मैच खेलने हैं जबकि जिम्बाब्वे (3) चौथे स्थान पर है।

इससे पहले शांटो शुरूआत में मांसपेशियों में खिंचाव की समस्या भी हुई और एक बार वह रन आउट के खतरे से बचे। उन्होंने अपनी पारी के दौरान सात चौके और एक छक्का जड़ा। इस बायें हाथ के बल्लेबाज ने कप्तान शाकिब अल हसन (20 गेंद में 23 रन) के साथ 54 रन ही भागीदारी निभायी और अफीफ हुसैन (19 गेंद में 29 रन) के साथ 36 रन की भागीदारी भी की। जिम्बाब्वे का क्षेत्ररक्षण अच्छा नहीं रहा जिसमें उन्होंने कई कैच करने और रन आउट करने के मौके गंवाये। टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश ने पावरप्ले में 32 रन पर दो विकेट गंवा दिये थे जिसमें तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजारबानी ने अपने शुरूआती स्पैल में सौम्य सरकार (शून्य) और लिटन दास (12 गेंद में 14 रन) के विकेट झटक लिये। लेकिन शांटो और शाकिब ने मिलकर पारी संभाली और 44 गेंद में 54 रन की भागीदारी की। इन दोनों ने शार्ट और फुल लेंथ गेंदों पर रन जुटाये। जिम्बाब्वे के क्षेत्ररक्षकों का प्रदर्शन काफी लचर रहा जिससे बांग्लादेश ने आसानी से चौके जमाये। जिम्बाब्वे ने बायें हाथ के स्पिनर सीन विलियम्स को गेंदबाजी पर लगाकर दाव खेला और इसका फायदा भी मिला जिससे उन्होंने शाकिब का विकेट झटक लिया। गेंद उनके बल्ले को छू गयी और मुजारबानी ने डाइव कर कैच लपक लिया।

शांटो ने हालांकि दबदबा जारी रखा और 13वें ओवर में एक रन लेकर अपना अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने फिर ब्रैड इंवास पर अपनी पारी का पहला छक्का जड़ा और फिर दो और चौके लगा दिये जिससे 16वें ओवर में 17 रन बने। रिचर्ड नगारावा ने अगले ओवर में कसी गेंदबाजी की। इवांस ने 19वें ओवर में अफीफ का कैच छोड़ दिया और इस बल्लेबाज ने मौके का अच्छा इस्तेमाल कर स्लॉग स्वीप से एक छक्का जड़ा जिससे ओवर में 12 रन बने। अंतिम ओवर में बांग्लादेश ने तीन विकेट खो दिये। इससे टीम ने अंतिम 10 ओवर में 87 रन बनाये।

पाक की सेमीफाइनल की उम्मीदें बरकरार

पर्थ, 30 अक्टूबर 2022। पाकिस्तानी टीम की बल्लेबाजी फिर फीकी रही, लेकिन उसने रविवार को यहां टी-20 विश्व कप के अहम मुकाबले में नीदरलैंड पर 6 विकेट से जीत दर्ज कर सेमीफाइनल की अपनी उम्मीदें जीवंत रखीं। गेंदबाजों के लिये मददगार ऑप्टस स्टेडियम की पिच पर नीदरलैंड की टीम पाकिस्तान की कसी गेंदबाजी के सामने नौ विकेट पर 91 रन ही बना सकी। नीदरलैंड के एक बल्लेबाज बास डि लीड (06) हारिस रऊफ की गेंद लगने से रिटायर्ड हर्ट हुए। उनकी आंख के नीचे कट लग गया। पाकिस्तान के लिये यह लक्ष्य इतना बड़ा नहीं था, लेकिन उन्हें इस तक पहुंचने के लिये 13.5 ओवर लग गये, जबकि उनके पास आईसीसी टी-20 रैंकिंग के नंबर एक बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान मौजूद थे, जिन्होंने 125.64 के स्ट्राइक रेट से 39 गेंद में 49 रन बनाये। कप्तान बाबर आजम (04) का रन आउट होना दुर्भाग्यशाली रहा, जबकि फखर जमां (16 गेंद में 20 रन) ने तीन चौके लगाये, लेकिन ब्रैंडन ग्लोवर की गेंद पर कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स को कैच दे बैठे। रिजवान ने फिर टीम को जीत तक पहुंचाया। बांग्लादेश ने रोमांचक मुकाबले में जिम्बाब्वे को तीन रन से हरा दिया है, जिससे पाकिस्तान के टूर्नामेंट में बने रहने की संभावना बढ़ गयी है। इस जीत का पूरा श्रेय पाकिस्तानी गेंदबाजों को जाता है जिन्होंने दिन में कोई गलती नहीं की। शाहीन शाह अफरीदी और नसीम शाह ने पावरप्ले में रन गति पर लगाम कसी। नीदरलैंड की टीम 20 ओवर में केवल पांच चौके ही लगा सकी।

पूर्व भारतीय डिफेंडर महेश गवली भारत की अंडर-20 पुरूष टीम के मुख्य कोच नियुक्त

नई दिल्ली , 30 अक्टूबर 2022। गवली इस तरह क्षणमुगम वेंकटेश की जगह लेंगे जिन्होंने पद से हटने का फैसला किया था क्योंकि भारतीय टीम एएफसी अंडर-20 एशिया कप के लिये क्वालीफाई नहीं कर पायी थी

पूर्व भारतीय डिफेंडर महेश गवली को अंडर-20 पुरूष टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने रविवार को इसकी घोषणा की। गवली इस तरह क्षणमुगम वेंकटेश की जगह लेंगे जिन्होंने पद से हटने का फैसला किया था क्योंकि भारतीय टीम एएफसी अंडर-20 एशिया कप के लिये क्वालीफाई नहीं कर पायी थी। आईएम विजयन की अगुआई वाली एआईएफएफ की तकनीकी समिति ने यह फैसला किया।

एआईएफएफ ने कहा, ''समिति ने भारतीय अंडर-20 पुरूष राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच के पद के लिये पूर्व डिफेंडर महेश गवली के नाम की सिफारिश की।'' बयान के अनुसार अंडर-20 टीम की जिम्मेदारी के अलावा गवली सीनियर टीम में इगोर स्टिमक के साथ सहायक कोच की भूमिका जारी रखेंगे।

फुटबॉल मैच के दौरान ईस्ट बंगाल के फैन की दिल का दौरा पड़ने से मौत

कोलकाता , 30 अक्टूबर 2022। फुटबॉल मैच के दौरान फुटबॉल फैन की दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। रिपोर्ट के अनुसार ईस्ट बंगाल टीम के फैन की शनिवार को डर्बी मैच के दौरान मृत्यु हो गई। जानकारी के अनुसार 38 वर्षीय जॉयशंकर साहा को मैदान में मैच के दौरान दिल का दौरा पड़ा, जिसके बाद उसकी मृत्यु हो गई। जॉयशंकर कोलकाता के बगुहाटी के रहने वाले हैं। दिल का दौरा पड़ने के बाद उन्हें सॉल्ट लेक अमरी अस्पताल में रात तकरीबन 8.35 बजे लाया गया, वहां वह बेहोश अवस्था में पहुंचे थे। डॉक्टरों का मानना है कि जयशंकर की अचानक दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। उनकी रात 9.07 बजे मृत्यु हो गई।

जॉयशंकर के दोस्त उन्हें आईसी अस्पताल लेकर पहुंचे थे। जिसके बाद परिवार वाले अस्पताल पहुंचे। मृत्यु के बाद जॉयशंकर के शव को सॉल्ट लेक अमरी अस्पताल में ही रात में रखा गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बता दें कि ईस्ट बंगाल ने अभी तक आईएसएल में कोई भी मैच नहीं जीता है। लेकिन जिस तरह से टीम के फैन की मृत्यु हुई है उसने फुटबॉल प्रेमियों को निराश कर दिया है। कोलकाता के युवा भारती स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में आईएसएल का यह मुकाबला अपने तय समय से कुछ देर से शुरू हुआ था। ईस्ट बंगाल ने पहले हाफ में काफी अच्छा खेल दिखाया था, लेकिन दूसरे हाफ में लगातार एक के बाद एक दो गोल के चलते टीम को हार का मुंह देखना पड़ा

इंद्र कुमार ने अजय देवगन को लेकर दिया बड़ा बयान

निर्देशक इंद्र कुमार, जो बेटा, राजा, ग्रैंड मस्ती जैसी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं, अजय देवगन, सिद्धार्थ मल्होत्रा और रकुल प्रीत सिंह के साथ अपनी अगली फंतासी कॉमेडी ड्रामा थैंक गॉड के लिए पूरी तरह तैयार हैं। अजय के साथ अपने मैत्रीपूर्ण बंधन के बारे में साझा किया और वे दोनों एक-दूसरे के काम का कितना सम्मान करते हैं। इंद्र ने यह भी बताया कि कैसे अजय ने फिल्म का हिस्सा बनने के उनके प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया, जो एक रियल एस्टेट ब्रोकर के बारे में है, जो एक दुर्घटना के साथ मिला और जब वह उठा, तो उसने खुद को स्वर्ग में पाया। लेकिन भगवान ने उसे एक खेल खेलने के लिए कहा और अगर वह जीत गया, तो वह वापस धरती पर जा सकता है।

निर्देशक ने कहा, मैं जब भी उनके पास स्क्रिप्ट लेकर जाता हूं तो वह मुझे देखते हैं और फिल्म करने के लिए हां कहते हैं। वह स्क्रिप्ट भी नहीं पढ़ते हैं।

थैंक गॉड की कास्ट अपनी फिल्म का प्रमोशन करने के लिए रियलिटी शो द कपिल शर्मा शो में आ रही है और होस्ट से बातचीत के दौरान सेट से अलग-अलग किस्से और घटनाओं का खुलासा करते हैं।

कपिल ने कहा, यह विश्वास है क्योंकि आपने कई यादगार फिल्में बनाई हैं।

बाद में, रकुल ने महामारी के समय में भी अथक रूप से फिल्म की शूटिंग के लिए निर्देशक की प्रशंसा की।

रकुल ने कहा, वह सबसे कम उम्र के निर्देशक हैं जिनके साथ मैंने काम किया है। हमने कोविड के दौरान अंदर और बाहर शूटिंग की लेकिन उन्हें कोई डर नहीं था और उनके पास जो ऊर्जा थी वह सराहनीय थी। वह अपनी पूरी ऊर्जा के साथ शूटिंग के लिए हमेशा तैयार रहते थे।

द कपिल शर्मा शो सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रसारित होता है।

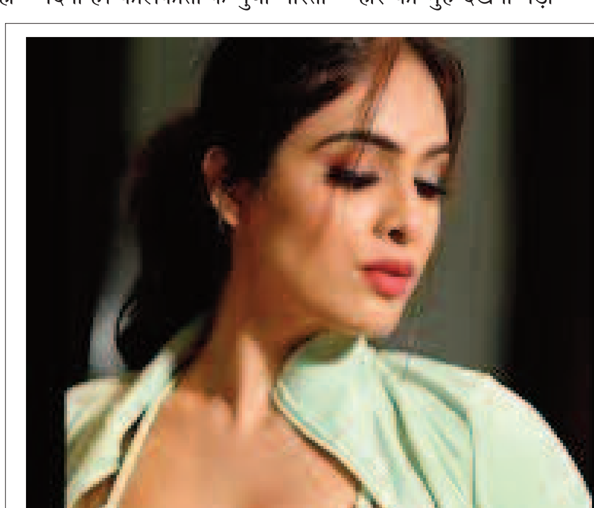

भोजपुरी क्वीन नेहा मलिक का गोल्डन अवतार ने लुटा फैंस का दिल

भोजपुरी सिनेमा की जानी मानी अदाकारा नेहा मलिक अपनी खूबसूरती से हर किसी का दिल जीतने को बेताब रहती हैं। उनका कातिलाना अंदाज फैंस को खूब भाता है। वहीं, एक्ट्रेस का फेस्टिव लुक देखकर फैंस बेकरार नजर आ रहे हैं। एक्ट्रेस का गोल्डन आउटफिट में लुक कहर बरपा रहा है। उनकी हर अदाएगी पर फैंस मर मिटने को तैयार हैं।

फेस्टिव आउटफिट में एक्ट्रेस नेहा मलिक ने गोल्डन लहंगा चोली पहन रखी हैं। इस लुक में नेहा बेहद खूबसूरत लग रही हैं। माथे पर गोल्डन टीका और गले में हार एक्ट्रेस नेहा मलिक के लुक को चार चांद लगा रहा है। डीपनेक आउटफिट में एक्ट्रेस का ये मदमस्त अंदाज फैंस को काफी भा रहा है। एक्ट्रेस नेहा मलिक इस आउटफिट में अपना क्लीवेज फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं। जिसे देखकर फैंस बेकाबू हो रहे हैं। खूबसूरती के मामले में बड़ी-बड़ी एक्ट्रेस को टक्कर देती हैं। भोजपुरी एक्ट्रेस नेहा मलिक अपने ग्लैमरस अंदाज से बिजलियां गिराती रहती हैं। साथ ही वो सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। एक्ट्रेस नेहा मलिक और खेसारी लाल का सॉन्ग तेरे मेरे दरमियान हाल ही में रिलीज हुआ। जिसे फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। फैंस उनकी एक-एक तस्वीर का बेसब्री से इंतजार करते रहते हैं। वहीं, नेहा मलिक अपने फैंस के दिलों की धड़कनों का कोई भी मौका नहीं छोड़ती हैं। नेहा मलिक ने साल 2016 में भोजपुरी फिल्म 'भनवानी का जल' से डेब्यू किया था। नेहा मूल रूप से पंजाब की रहने वाली हैं। लेकिन, भोजपुरी इंडस्ट्री में इनका अलग ही जलवा कायम है। नेहा मलिक की इंस्टाग्राम पर तगड़ी फैन फॉलोइंग है। उनके इंस्टा अकाउंट पर 3.3 मिलियन फॉलोवर्स हैं।

C M Y K

जल्द होगी राष्ट्रीय स्तर के सिकलसेल रिसर्च सेंटर की स्थापना:बघेल

- मुख्यमंत्री ने 28 जिलों में सिकलसेल प्रबंधन केन्द्रों का किया उद्घाटन
- सिकलसेल के विरूद्ध लड़ाई में जागरूकता सबसे बड़ी जरूरत
- मुख्यमंत्री ने 28 जिलों में सिकलसेल प्रबंधन केन्द्रों का किया उद्घाटन
- इन केन्द्रों में सिकलसेल की निःशुल्क जांच, उपचार, दवाई एवं परामर्श की सुविधा उपलब्ध होगी

रायपुर, 30 अक्टूबर 2022। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कहा है कि छत्तीसगढ़ में जल्द ही राष्ट्रीय स्तर के सिकलसेल रिसर्च सेंटर की स्थापना की जाएगी। मुख्यमंत्री ने आज यहां अपने निवास कार्यालय में आयोजित वर्चुअल कार्यक्रम में प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों और जिला अस्पतालों में स्थापित नवीन सिकल सेल प्रबंधन केंद्रों का उद्घाटन करते हुए यह घोषणा की। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के 28 जिलों में सिकलसेल प्रबंधन केन्द्र का उद्घाटन किया। इसके साथ ही प्रदेश के 24 जिला अस्पतालों, नौ मेडिकल कॉलेजों तथा राजधानी रायपुर स्थित सिकलसेल संस्थान छत्तीसगढ़ में सिकलसेल की निःशुल्क जांच, उपचार और परामर्श की सुविधा उपलब्ध हो गई है। स्वास्थ्य मंत्री श्री टी.एस.सिंहदेव भी कार्यक्रम में उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि सिकलसेल एक गंभीर अनुवांशिक बीमारी है। इस रोग से भावी पीढ़ियों को बचाने के लिए इस रोग के प्रति जागरूकता सबसे ज्यादा आवश्यक है। सिकलसेल के मरीजों की जल्द पहचान करने के बाद उचित चिकित्सकीय प्रबंधन व दवाओं से इसके शारीरिक दुष्प्रभावों को कम किया जा सकता है और रोगी लम्बी आयु का जीवन जी सकते हैं। इसके लिए आवश्यक है कि रोगियों को उचित उपचार सरलता से उपलब्ध हो। साथ ही सिकलसेल के अनुवांशिक गुण वाले व्यक्तियों की पहचान विवाह से पूर्व कर उन्हें इस पर आवश्यक परामर्श देकर इस रोग के प्रसार को भावी पीढ़ी में कम किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस रोग को छुपाना नहीं चाहिए। पहचान होने पर इसका अस्पताल में इलाज कराना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सिकलसेल की समस्या का प्रभावी रूप से मुकाबला करने के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा नवीन सिकल सेल प्रबंधन केंद्र की स्थापना की जा रही है। यह केंद्र प्रदेश के समस्त मेडिकल कॉलेज अस्पतालों एवं सभी जिला चिकित्सालयों में संचालित किए जाएंगे। इन केन्द्रों में सिकलसेल की जांच एवं उपचार के साथ अस्पताल की प्रयोगशाला के माध्यम से साल्युबिटी टेस्ट द्वारा स्क्रीनिंग एवं इलेक्ट्रोफोरेसिस तथा नवीन विधि पॉइंट ऑफ केयर टेस्ट द्वारा पुष्टि हेतु जांच उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने उम्मीद जतायी कि मेडिकल कॉलेजों एवं जिला अस्पतालों में संचालित सिकलसेल प्रबंधन केंद्रों का लाभ प्रदेश के सिकलसेल रोगियों को मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सिकलसेल जांच की नवीन विधि पॉइंट ऑफ केयर टेस्ट काफी आसान है। मितानिनें भी इस विधि से जांच कर सकती है। इस पद्धति से अभियान चलाकर सिकलसेल मरीजों की पहचान की जा सकती है। मुख्यमंत्री ने इस कार्यक्रम में सिकलसेल से पीड़ित राजेन्द्र नगर रायपुर के सात वर्षीय बालक प्रतिक दास मानिकपुरी और गुढ़ियारी की 17 वर्षीय बालिका ओशिका रामटेके को डिजिटल कार्ड प्रदान कर सिकलसेल से पीड़ित व्यक्तियों को डिजिटल कार्ड वितरण का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने रायगढ़ के सिकलसेल प्रबंधन केन्द्र में सिकलसेल पीड़ित निशा चक्रधारी और सूरजपुर के केन्द्र में उपस्थित 12वीं की छात्रा सरगम राजवाड़े से केन्द्रों में उपलब्ध उपचार की सुविधा की जानकारी ली। इस दोनों पीड़ितों ने बताया कि उन्हें बेहतर उपचार मिल रहा है। इससे उन्हें बड़ी राहत मिली है।

स्वास्थ्य मंत्री श्री टी.एस.सिंहदेव ने कहा कि सिकलसेल के मरीजों को बेहतर उपचार की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल दृढ़ इच्छा शक्ति के साथ कार्य कर रहे हैं। राष्ट्रीय स्तर के रिसर्च सेंटर की स्थापना के लिए प्रयास किए जा रहे है। इसका जल्द ही शिलान्यास होगा। उन्होंने कहा कि सिकलसेल प्रबंधन केन्द्रों में निःशुल्क जांच, उपचार और परामर्श सुविधा से पीड़ितों को बड़ी राहत मिलेगी। स्वास्थ्य विभाग के सचिव श्री प्रसन्ना आर. ने कार्यक्रम में सिकलसेल प्रबंधन केन्द्रों की व्यवस्था की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अब तक किए गए सर्वे प्रदेश की दस प्रतिशत आबादी में सिकलसेल वाहक और एक प्रतिशत रोगी पाए गए हैं।

रेस्टोरेंट में लड़की से छेड़छाड़ करने वाले गिरफ्तार

रायपुर, 30 अक्टूबर 2022। छेड़छाड़ करने वाले 2 आरोपी को गिरफ्तार किया गया है. जानकारी के मुताबिक प्रार्थी ने थाना डी.डी.नगर में रिपोर्ट दर्ज कराया कि वह डी.डी.नगर क्षेत्रांतर्गत एक कैफे रेस्टोरेंट में काम करता है। दिनांक 28.10.22 की रात्रि प्रार्थी अपनी

मुंह बोली मां, बहन एवं भाई के साथ कैफे रेस्टोरेंट में था तथा प्रार्थी की मुंह बोली बहन रात्रि में कैफे रेस्टोरेंट के बाहर झाड़ू लगा रहीं थी। इसी दौरान लल्लू पठान एवं उसका एक साथी आकर प्रार्थी से गोगो नामक चीज मांगने लगा जिस पर उसके द्वारा गोगो नामक चीज नहीं मिलती है कहने पर लल्लू पठान एवं उसके साथी ने अश्लील गाली गलौच करते हुए प्रार्थी की बहन को बेईज्जत करने की नियत से उसका हाथ बांह पकड़कर छेड़छाड़ करने लगा। जिस पर प्रार्थी, उसकी मां एवं भाई द्वारा लल्लू पठान एवं उसके साथी को डांटने पर दोनों जान से मारने की धमकी देते हुए वहां से फरार हो गये। जिस पर आरोपियों के विरूद्ध थाना डी.डी.नगर में अपराध क्रमांक 533/22 धारा 294, 506, 354, 354(क), 34 भादवि. 8 पास्को एक्ट का अपराध पंजीबद्ध किया गया।

वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एण्टी क्राईम एवं साईबर यूनिट तथा डी.डी. नगर पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा घटना के संबंध में प्रार्थी, उसकी मां, बहन एवं भाई से विस्तृत पूछताछ करते हुए आसपास के लोगों से भी पूछताछ कर आरोपियों की पतासाजी करना प्रारंभ किया गया। टीम के सदस्यों द्वारा आरोपियों के छिपने के हर संभावित स्थानों में लगातार रेड़ कार्यवाही करते हुए घटना में संलिप्त आरोपी शेख मुख्तार उर्फ लल्लू पठान एवं आकाश सिन्हा उर्फ टीटू को गिरफ्तार कर कार्यवाही किया गया।

गिरफ्तार आरोपी

01. शेख मुख्तार उर्फ लल्लू पठान पिता स्व0 शेख अजीज उम्र 35 साल निवासी बूढ़ा तालाब के पास थाना पुरानी बस्ती रायपुर।

02. आकाश सिन्हा उर्फ टीटू पिता स्व0 आशीष सिन्हा उम्र 31 साल निवासी जीवन धाम सोसायटी के पास प्रोफेसर कालोनी थाना पुरानी बस्ती रायपुर।

रायपुर एयरपोर्ट में विदेशी कलाकारों ने किया डांस

रायपुर, 30 अक्टूबर 2022। छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस 1 नवम्बर को मनाया जाता है। इस दिन राज्योत्सव के साथ ही आदिवासी नृत्य महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। आज 4 देशों के कलाकार नृत्य महोत्सव में शामिल होने पहुंच चुके है। जिसमें से रसिया, न्यूजीलैंड के कलाकार पहुंचाना बाकी है। शाम 5:30 बजे टोगो और मोजाम्बिक देश के कलाकार पहुंचेंगे। प्रदेश के संस्कृति मंत्री अमरजीत भगत ने विदेशी कलाकारों का भव्य स्वागत किया।

बता दें कि 1 नवंबर से 3 नवंबर तक राजधानी रायपुर के साइंस कालेज ग्राउंड में आयोजित राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव में सभी राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों समेत मोजांबिक, मंगोलिया, टोंगो, रशिया, इंडोनेशिया, मालदीव, सर्बिया, न्यूजीलैंड और इजिप्ट के जनजातीय कलाकार शामिल होंगे।

नेशनल ट्राइबल डांस फेस्टिवल में दो कैटेगिरी में प्रतियोगिताएं होंगी। विजेताओं को कुल 20 लाख रुपए के पुरस्कारों का वितरण किया जाएगा। प्रथम स्थान के लिए 05 लाख रुपए, द्वितीय स्थान के लिए 03 लाख रुपए और तृतीय स्थान के लिए 02 लाख रुपए के पुरस्कार दिए जाएंगे। 01 नवंबर को सुबह नृत्य महोत्सव का शुभारंभ होगा और शाम को राज्योत्सव के अवसर पर राज्य अलंकरण दिया जाएगा।

सब इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा स्थगित मामला

भड़का आक्रोश,राजधानी में होगा बड़ा प्रदर्शन

रायपुर, 30 अक्टूबर 2022। सब इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा स्थगित होने के बाद अब अभ्यर्थियों में आक्रोश भड़कने लगा हैं। अभ्यर्थियों ने सोशल मीडिया में बड़ा प्रदर्शन का इलान कर दिया है। वहीं बैनर में लिखा है, इतना पढ़ने के बाद भी, अगर हम बेरोजगार है, धन्यवाद सरकार ..आपका क्या चमत्कार हैंज्?

अभ्यर्थियों ने सब इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा स्थगित करने के विरोध में 3 नवंबर को राजधानी में जुटेंगे। इसलिए सोशल मीडिया पर अभियान शुरू कर दिया है।

बता दें कि छत्तीसगढ़ पुलिस में सब इंस्पेक्टर, सूबेदार और प्लाटून कमांडर के 975 पदों पर भर्ती के लिए 2018 में प्रक्रिया शुरू की गई थी। कांग्रेस की सरकार बनने के बाद प्रक्रिया रोक दी गई। हालांकि बाद में पदों की संख्या में वृद्धि की गई।

पिछले चार साल से यह प्रक्रिया चल रही है, लेकिन अब तक भर्ती नहीं हो पाई। इससे अभ्यर्थियों में नाराजगी है। सबसे ज्यादा नाराजगी इस बात को लेकर है कि लिखित परीक्षा की तारीख तय करने के बाद अचानक परीक्षा ही स्थगित कर दी गई। इसके विरोध में अभ्यर्थियों ने सोशल मीडिया पर मुहिम शुरू कर दी है। इसी कड़ी में 3 नवंबर को अभ्यर्थी राजधानी में विरोध प्रदर्शन के लिए जुटने की तैयारी में हैं।

18 लाख 58 हजार का तंबाकू और पान मसाला जब्त

राजनांदगांव, 30 अक्टूबर 2022। राजनांदगांव जिले से बड़ी खबर सामने आई है. जानकारी के मुताबिक पुलिस ने 18 लाख 58 हजार का तंबाकू और पान मसाला जब्त किया है. दरअसल आज सुबह पुलिस को सूचना मिली थी कि कुछ लोग महाराष्ट्र की तरफ से अवैध गुटखा और तंबाकू लेकर आ रहे हैं। इस पर पुलिस ने नागपुर मार्ग पर छुरिया मोड़ ग्राम बापूटोला के पास एक टीम को तैनात किया। यहां पुलिस की टीम आने जाने वाले लोगों की जांच कर रही थी।

इसी बीच नागपुर तरफ से एक ट्रक आते दिखी। जिसे भी पुलिस ने रोक लिया। इसके बाद उसके ड्राइवर से पूछताछ की। पूछताछ में ड्राइवर ने कहा साहब मैं तो खाने का मुर्रा लेकर आ रहा हूं। अंदर वही सामान है। मुझे जाने दीजिए। मगर पुलिस को उस पर शक था। इस पर पुलिस ने ट्रक की तलाशी ली। जिसमें बहुत सारे बोरे में अवैध गुटखा और तंबाकू मिला। तब पुलिस ने उसके संबंध में पूछताछ की। लेकिन ड्राइवर गुटखे और तंबाकू के संबंध में कोई वैध दस्तावेज पेश नहीं कर सका।

इसके बाद पुलिस ने ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया। ड्राइवर ने अपना नाम विक्रांत तिरपुड़े बताया है। वो महाराष्ट्र के साकोला का रहने वाला है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। मगर ये पता नहीं चल सका है कि ये गुटखा वो कहां लेकर जा रहा था और इसका मालिक कौन है। पुलिस ने आरोपी से 18.5 लाख से ज्यादा का माल जब्त किया है। इसके अलावा ट्रक भी जब्त कर ली गई है।

बता दें कि पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस के समस्त पुलिस राजपत्रित अधिकारियों, थाना प्रभारियों सहित प्रभारी एण्टी क्राईम एवं सायबर यूनिट को प्रतिबंधित नशीली टेबलेट/सिरप की अवैध रूप से खरीदी-बिक्री एवं अवैध रूप से इस व्यवसाय में संलिप्त लोगों की पतासाजी कर कार्यवाही करने निर्देशित किया गया है। जिस पर समस्त पुलिस राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों सहित एण्टी क्राईम एवं सायबर यूनिट टीम द्वारा कार्य योजना तैयार कर इस पर प्रभावी रूप से अंकुश लगाने हेतु थाना क्षेत्र में मुखबीर लगाकर लगातार पेट्रोलिंग व सूचना संकलन कर अवैध नशीली टेबलेट/सिरप के कारोबार की सूचना एकत्रित की जा रही है।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के नव निर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मिले राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल

रायपुर, 30 अक्टूबर 2022। दिल्ली के अल्प प्रवास पर पहुंचे छत्तीसगढ़ प्रदेश के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के नव निर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से सौजन्य मुलाकात किया।

इस सौजन्य मुलाकात के दौरान प्रदेश के राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल और राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री खड़गे के बीच औपचारिक बातचीत के अलावा छत्तीसगढ़ की वर्तमान राजनैतिक परिस्थितियों पर विस्तार से चर्चा हुई। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ शासन के राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल को गुजरात विधानसभा चुनाव 2022 हेतु गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र अन्तर्गत 07 विधानसभा क्षेत्रों के लिए पर्यवेक्षक बनाया गया है और समय समय पर अग्रवाल स्थिति का जायजा लेने वहां के स्थानीय जन प्रतिनिधियों से मुलाकात कर वर्तमान हालात के मद्देनजर क्षेत्र में बेहतर कार्य करने के लिए कार्यकर्ताओं की बैठक लेकर आवश्यक मार्गदर्शन देते रहते हैं। गुजरात में होनेवाले विधानसभा चुनावों के मद्देनजर ताजातरीन हालात की जानकारी श्री खड़गे ने लिया अपने अनुभव के आधार पर राजस्व मंत्री को अनेक महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए।

साजिश के तहत मर्डर, मृतक के शादीशुदा प्रेमिका सहित 3 हत्यारे अरेस्ट

रायपुर, 30 अक्टूबर 2022। मोहला मानपुर-चौकी जिले के मोहला पुलिस को अंधे कत्ल के मामले में बड़ी सफलता मिली है। मामले में 12 घण्टे के अंदर 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। बताया जा रहा है कि मृतक का आरोपी की पत्नी के साथ अवैध संबंध होने के चलते योजनाबद्ध तरीके से इस वारदात को अंजाम दिया गया है। मामला मोहला थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पीपरखार का है।

दरअसल शनिवार सुबह पुलिस को सूचना मिली थी कि ग्राम पीपरखार के कच्ची रोड़ पर एक व्यक्ति मृत हालत में पड़ा है। इस पर पुलिस की टीम ग्राम पीपरखार पहुंची और मौके पर उपस्थित लोगों से मृतक के संबंध में पूछताछ की। इसके बाद पहचान की कार्रवाई कराई गई। मृतक की पहचान मानपुर निवासी रोमन नेताम के तौर पर हुई। पुलिस मृतक को किसी अज्ञात व्यक्ति की ओर से गला रेतकर हत्या करने का मामला दर्ज कर जांच शुरू की। इसके बाद हत्या के मामले में अब पुलिस को बड़ी सफलता मिली है।

जांच के दौरान मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने संदिग्ध आरोपी 29 वर्षीय संतोष बोगा को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ करने पर वह गोलमोल जवाब दे रहा था। जब आरोपी से सख्ती से पूछताछ की गई तो संतोष ने हत्या करना कबूल लिया। आरोपी ने बताया कि मृतक का उसकी पत्नी प्रीति के साथ अवैध संबंध होने से वह नाराज था।

रायपुर में मीडियाकर्मी से मारपीट करने वाले 2 सगे भाई गिरफ्तार

रायपुर, 30 अक्टूबर 2022। प्रार्थी होरीलाल जायसवाल ने थाना मुजगहन में रिपोर्ट दर्ज कराया कि वह प्रायवेट प्रेस में कैमरा मैन का काम करता है, कि प्रार्थी दिनांक 27.10.2022 को रात्रि करीबन 11:00 बजे अपने दोस्तों से मिलने बोरियाकला हाऊसिंग बोर्ड कालोनी गया था। प्रार्थी अपने दोस्त विमल चंद्राकर और गोलू सिन्हा के साथ काम्पेक्स के सामने बातचीत करते खडा था उसी समय उसके पूर्व परिचित रिंकू लहरी अपने भाई गजेन्द्र लहरी के साथ मिला प्रार्थी उससे पूछा क्या हाल चाल है रिंकू, तब वह नाराज होकर तू

मुझे रिंकू बोलेगा कहकर मां बहन की अश्लील गाली गलौच करते हुये जान से मारने की धमकी देकर दोनों भाई हाथ मुक्का से मारपीट किये। कुछ देर बाद दोनों अपने अन्य साथियों के साथ फिर से आये और सभी मिलकर हाथ मुक्का से मारपीट करने लगे गजेन्द्र लहरी द्वारा लोहे के किसी वस्तु से प्रार्थी को मारा गया।

जिससे उसके नाक, होठ, सिर व बाएं हाथ में कोहनी के पास चोट लगा। जिस पर आरोपियों के विरूद्ध थाना मुजगहन में अपराध क्रमांक 188/22 धारा 294, 506, 323, 34 भादवि. का अपराध पंजीबद्ध किया गया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा मुजगहन पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा घटना के संबंध में प्रार्थी एवं उसके साथी से विस्तृत पूछताछ करते हुए आसपास के लोगों से भी पूछताछ कर आरोपियों की पतासाजी करना प्रारंभ किया गया। टीम के सदस्यों द्वारा आरोपियों के छिपने के हर संभावित स्थानों में लगातार रेड़ कार्यवाही करते हुए चंद घंटो के भीतर ही घटना में संलिप्त आरोपी महेन्द्र लहरी एवं गजेन्द्र प्रताप लहरी निवासी बोरियाकला रायपुर को गिरफ्तार कर कार्यवाही किया गया।

गिरफ्तार आरोपी

01. महेन्द्र लहरी पिता धनेश्वर लहरी उम्र 32 साल निवासी म.नं. 468 हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी बोरियाकला मुजगहन।

02. गजेन्द्र प्रताप लहरी पिता धनेश्वर लहरी उम्र 30 साल निवासी म.नं. 468 हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी बोरियाकला मुजगहन।

राज्य की एक जाति को दूसरे जाति से लड़ाने का गंदा खेल बंद करे छत्तीसगढ़ सरकार:भाजपा

रायपुर, 30 अक्टूबर 2022। भाजपा नेताओं ने भूपेश सरकार द्वारा के. पी. खांडे को राज्य अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष बनाए जाने के फैसले पर कांग्रेस पार्टी आड़े हाथो लिया है। भाजपा ने इसपर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इसके पीछे भूपेश बघेल की मिलीभगत और षड्यंत्र से आदिवासियों को छलने और जातियों को आपस में लड़ाने का गंदा खेल खेला जा रहा है।

प्रेस वार्ता के दौरान वरिष्ठ भाजपा नेता विक्रम उसेंडी, केदार कश्यप, लता उसेंडी व विकास मरकाम ने कहा

विगत दिनों आदिवासियों का 32% आरक्षण भूपेश सरकार की ÷ऐच्छिक नाकामी÷ के परिणाम स्वरूप माननीय उच्च न्यायालय से अपात्र घोषित हुआ। यह सभी जानते है कि 32% आरक्षण को निरस्त घोषित करने के पक्ष में, पैरोकारी करने वाले एक मुख्य पक्षकार केपी खांडे जी है।

32% आरक्षण को निरस्त घोषित कराने में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। जिसका इनाम देते हुए भूपेश सरकार ने उन्हें राज्य अनुसूचित जाति आयोग का अध्यक्ष नियुक्त कर दिया। यह आदिवासियों के गाल पर करारा तमाचा नही तो और क्या है? ये भूपेश सरकार की दोहरी और दोगली नीति उदाहरण और प्रमाण नही तो क्या है? प्रदेश में अनुसूचित जनजाति और अनुसूचित जाति को लड़ाकर अंग्रेजो वाली तरकीबें अपनाना बंद कीजिए भूपेश जी। ÷फूट डालो राज करो÷ की आपकी नीति उजागर हो चुकी है।

भाजपा नेताओं ने भूपेश सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा भूपेश जी एक तरफ आप आदिवासी हितैषी और पक्षधर होने का ढोंग करते हो, दूसरी तरफ आदिवासियों के संवैधानिक अधिकार छीनने के लिए जिम्मेदार लोगों को आप पुरस्कृत करते है। आदिवासी समाज को ठगते हुए, झांसा देते हुए आपको शर्म आनी चाहिए।

इससे पूर्व भूपेश बघेल सरकार ने ओबीसी समाज को 27% आरक्षण देने का ड्रामा किया। बाद में अपने ही करीबी कुणाल शुक्ला को माननीय हाईकोर्ट में खड़ा करके उस पर स्टे लगवा दिया, और फिर बाद में कुणाल शुक्ला को भूपेश सरकार ने पुरस्कार देते हुए कबीर शोध पीठ का अध्यक्ष नियुक्त कर ओबीसी समाज के गाल पर करारा तमाचा मारा था।

भाजपा नेताओं ने भूपेश सरकार को चेतावनी देते हुए कहते है भूपेश जी छत्तीसगढ़ की एक जाति को दूसरे जाति से लड़ाने का यह गंदा खेल खेलना बंद कीजिए। के पी खांडे को पुरुष्कार स्वरूप राज्य अनुसूचित जाति आयोग के रूप नियुक्त करना यह प्रमाणित करता है कि आदिवासियों का 32त्न आरक्षण छीनकर आदिवासी हितों को चोट पहुंचाने में आपकी ही महत्वपूर्ण भूमिका है। अब आपकी पोल खुल चुकी है।

भाजपा नेताओं ने कहा कि अब यह स्पष्ट हो गया है कि भूपेश बघेल और कांग्रेस पार्टी आदिवासियों से नफरत करती हैं और मोहरा बनाकर लोगों का इस्तेमाल करके आदिवासियों को, उनकी संस्कृति को खत्म करना चाहते हैं उनके अधिकारों को छीन कर उन्हें खून के आंसू रुलाना चाहते हैं।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)